शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 111 | गुवाहाटी | बुधवार, 20 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हिंसा के बीच मणिपुर में सियासी संकट सीएम की बैठक से 11 एमएलए नदारद पेज 2
बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने विजन दस्तावेज की समीक्षा की पेज 3
अंत्योदय से सर्वोदय व राष्ट्रीय एकता और सुशासन को समर्पित होगा... पेज 5
राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 26 नवंबर से होगी शुरू, सभी राज्यों से चार... पेज 7

असम कैबिनेट का ऐतिहासिक फैसला

श्रीभूमि के नाम से जाना जाएगा करीमगंज जिला

गुवाहाटी। असम सरकार ने करीमगंज जिले का नाम बदलने का एलान किया है। यह फैसला असम कैबिनेट की बैठक में लिया गया और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने खुद इस बदलाव की जानकारी दी। अब करीमगंज को *श्रीभूमी* के नाम से जाना जाएगा। यह फैसला राज्य सरकार द्वारा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि *करीमगंज* शब्द असमिया और बांग्ला दोनों ही भाषाओं में कोई स्पष्ट या प्रासंगिक अर्थ नहीं रखता। उन्होंने यह भी कहा कि इस नाम को बदलकर *श्रीभूमी* रखने से जिले की पहचान को एक नया और सांस्कृतिक संदर्भ मिलेगा, जो असम की विविधता और इतिहास से मेल खाता है। सीएम शर्मा ने इस फैसले को असम की सांस्कृतिक धरोहर को सशक्त बनाने के रूप में प्रस्तुत किया है। उनका कहना था कि श्रीभूमी नाम इलाके की ऐतिहासिक और धार्मिक पृष्ठभूमि को उजागर करेगा। यह कदम असम के स्थानीय लोगों की परंपराओं और विरासत से जुड़ा हुआ है, और इस नाम से क्षेत्र की पहचान में एक नया आयाम जुड़ सकता है। उधर इस निर्णय को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में मिलीजुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। जहां कुछ लोग इस बदलाव का स्वागत कर रहे हैं, वहीं कुछ इसे प्रतीकात्मक कदम मानते हुए सवाल उठा रहे हैं कि क्या इससे क्षेत्र के विकास या सामाजिक स्थिति में कोई वास्तविक बदलाव आएगा। इस के साथ ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में होने वाले आगामी पंचायत चुनावों और अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में कई अहम घोषणाएं की हैं। सीएम शर्मा ने घोषणा की कि असम में पंचायत चुनाव दो चरणों में होंगे। पहले चरण की वोटिंग प्रक्रिया और चुनाव की तैयारी दिसंबर 2023 में शुरू होगी, जबकि चुनाव की पूरी प्रक्रिया अगले साल 10 फरवरी तक पूरी हो जाएगी। चुनाव की नामावली 30 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी, जिससे उम्मीदवारों और मतदाताओं के लिए सभी जानकारी उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी बताया कि असम राज्य 24 फरवरी 2024 को असम निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस शिखर सम्मेलन में निवेशकों, उद्योगपतियों और सरकारी अधिकारियों के -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में अफस्पा का विरोध, सामाजिक संगठनों ने कर्फ्यू के बीच निकाला जुलूस, पुलिस ने रोका

इंफाल। मणिपुर में फैली अशांति के बीच अफस्पा का विरोध शुरू हो गया है। मंगलवार को पश्चिम इंफाल में नागरिक समाज संगठनों ने कर्फ्यू के बीच अफस्पा के विरोध में रैली निकाली। पुलिस ने रैली को केइशामपट जंक्शन इलाके में रोक दिया। उधर, चूराचांदपुर में कुकी संगठन के सदस्यों ने राज्य में फैली अशांति में मारे गए अपने सदस्यों की याद में नकली ताबूत लेकर जुलूस निकाला। एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि अफस्पा के विरोध में मणिपुर यूनाइटेड क्लब ऑर्गनाइजेशन, पोईरेई लीमारोल मैइरा पैबी अपुनबा मणिपुर और -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस अध्यक्ष ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप का अनुरोध किया

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर उनसे मणिपुर में जातीय संघर्ष के बीच जानमाल को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

26 फरवरी को गुवाहाटी आएंगे प्रधानमंत्री मोदी

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले साल 26 फरवरी को गुवाहाटी आएंगे। वे 26 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित होने वाले द्वितीय *असम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर समिट* में हिस्सा लेंगे। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दिसपुर स्थित लोकसेवा भवन में कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज कैबिनेट की हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 26 फरवरी को असम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर समिट का गुवाहाटी में आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पांच वर्ष पहले -शेष पृष्ठ दो पर

भारत समुद्री क्षेत्र में क्रांति लाने को तैयार : सोनोवाल

नई दिल्ली। सरकार बंदरगाह क्षमता, पोत परिवाहन, जहाज निर्माण और अंतरदेशीय जलमार्गों को बढ़ावा देने के लिए 80 लाख करोड़ रुपए के निवेश के साथ 2047 तक समुद्री क्षेत्र में क्रांति लाना चाहती है। केंद्रीय बंदरगाह पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रमुख परियोजनाओं में केरल में विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह, महाराष्ट्र के वधावन और निकोबार की गैलाथिया खाड़ी में नया वृहद बंदरगाह शामिल हैं। उन्होंने *सागरमंथन - द ग्रेट ओशंस डायलॉग* को संबोधित करते हुए कहा कि देश ने 2047 तक भारत, पश्चिम एशिया, यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रीम कोर्ट में पूर्वोत्तर के चार राज्यों में परिसीमन की मांग पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। देश के चार पूर्वोत्तर राज्यों के परिसीमन मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने अदालत के सामने अपना पक्ष रखा। केंद्र सरकार के एएसजी ने बताया कि मणिपुर में स्थिति अनुकूल नहीं है, लेकिन बाकी राज्यों के लिए परामर्श चल रहा है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि जहां तक असम का सवाल है तो वहां पिछले साल परिसीमन हुआ था, लेकिन तीन राज्य अभी भी बाकी हैं। क्या चुनाव आयोग बिना निर्देश के आगे बढ़ सकता है, यह एक मुद्दा है। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि जब तक राष्ट्रपति की ओर से आदेश नहीं दिया जाता तब तक परिसीमन की कार्रवाई नहीं हो सकती। इस पर एएसजी ने कहा कि उत्तर पूर्वी राज्यों की स्थिति इतनी संवेदनशील है कि हम इससे किसी को परेशान नहीं करना चाहते हैं। अरुणाचल के लिए भी हमें इनपुट मिला है कि वहां के स्थानीय लोग ही परिसीमन नहीं चाहते हैं। इसके बाद -शेष पृष्ठ दो पर

एनडीए या इंडिया गठबंधन... महाराष्ट्र और झारखंड में आज होगी वोटिंग

नई दिल्ली। 20 नवंबर को महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों और झारखंड चुनाव के दूसरे चरण की शेष 38 विधानसभा सीटों पर मतदान के लिए वोट डाले जाएंगे। ये चुनाव न केवल किसी भी राज्य में क्षेत्रीय क्षत्रपों के लिए एक बड़ी परीक्षा के रूप में हैं। यह देश में विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए भी राष्ट्रीय कथानक को आकार देगा। एक ओर, महाराष्ट्र या झारखंड में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत लोकसभा चुनावों में अपने खराब प्रदर्शन के बोझ तले दबी सत्तारूढ़ सरकार को वापस पटरी पर ला देगी। वहीं, दूसरी ओर, किसी भी राज्य में जीत विपक्षी इंडिया गुट के लिए गति वापस लाएगी और यह साबित करेगी कि हरियाणा में झटका एक भूल थी जबकि व्यापक भावना इसके पक्ष में बनी हुई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि चुनाव न केवल यह तय करेंगे कि ब्रांड मोदी समय की कसौटी पर खरा उतरा है या नहीं, बल्कि यह यह भी निर्धारित करेगा कि क्या दलित और ओबीसी, जो केंद्र और कई राज्यों में भाजपा की जीत के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं, लोकसभा चुनावों में पार्टी को छोड़कर वापस आ गए हैं। दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र में 288 सीटों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
वृद्ध सेवा अर्थात ज्ञानियों की सेवा से ही ज्ञान प्राप्त होता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

जल्द भारत आएंगे रूसी राष्ट्रपति पुतिन

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही भारत दौरे पर आएंगे। क्रेमलिन के प्रेस सचिव दिमित्री पेस्कोव ने इस यात्रा को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति के भारत दौरे की तारीखों पर अभी काम चल रहा है। यह यात्रा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के बाद पुतिन का पहला बड़ा अंतर्राष्ट्रीय दौरा होगा। इससे पहले, पुतिन मंगोलिया और उत्तर कोरिया की यात्रा कर चुके हैं, लेकिन भारत उनकी यात्रा -शेष पृष्ठ दो पर

बारामती में शरद पवार के भाई की कंपनी में ईसी का सर्च ऑपरेशन

मुंबई (हि.स.)। पुणे जिले में स्थित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार के भाई की शरयू मोटर्स नामक कंपनी में बीती रात चुनाव आयोग की टीम ने तलाशी ली। तलाशी में कुछ न मिलने की जानकारी बारामती विधानसभा क्षेत्र के चुनाव अधिकारी वैभव नावडकर ने दी है। बारामती में इस सर्च ऑपरेशन की चर्चा है। वैभव -शेष पृष्ठ दो पर

शीतकालीन सत्र से पूर्व लोस अध्यक्ष ने किया संसद भवन परिसर का निरीक्षण

नई दिल्ली (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 18वीं लोक सभा के तीसरे सत्र यानि शीतकालीन सत्र से पहले मंगलवार को संसद भवन परिसर में विभिन्न व्यवस्थाओं और सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस संबंध में बिरला ने लोक सभा कक्ष, कॉरिडॉर, लॉबियों, प्रतीक्षा कक्षों, मीडिया सुविधाओं और अन्य प्रमुख स्थानों का निरीक्षण किया। अध्यक्ष ने कहा कि शीतकालीन सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में कई महत्वपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-चीन विदेश मंत्री वार्ता

मानसरोवर यात्रा और सीधी विमान सेवाओं पर होगी आगे बातचीत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों ने जी20 के इतर बैठक में कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रा को फिर से शुरू करने, सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करने, दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान और मीडिया संबंधी आदान-प्रदान पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने महसूस किया कि हमारा ध्यान संबंधों को स्थिर करने, मतभेदों को ठीक से संभालने और आगे के कदम उठाने पर होना चाहिए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने चीन के अपने समकक्ष वांग यी से कल रियो डी जनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर मुलाकात की थी। विदेश मंत्री वांग यी ने जयशंकर से सहमति व्यक्त की कि भारत-चीन संबंधों का विश्व राजनीति में विशेष महत्व है। दोनों मंत्रियों ने माना कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों के पीछे हटने से शांति और स्थिरता की दिशा में प्रगति हुई है। इस बात पर सहमति हुई कि विशेष -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने विनोद तावड़े के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

महाराष्ट्र। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र भाजपा के नेता विनोद तावड़े के खिलाफ नोट के बदले वोट के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाई है। इस मामले में तावड़े पर आरोप है कि उन्होंने चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए मतदाताओं को पैसे देने का प्रयास किया। चुनाव आयोग की यह कार्रवाई उस समय हुई जब कई लोगों ने तावड़े के खिलाफ शिकायतें दर्ज करवाई थीं, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि उन्होंने चुनावी लाभ प्राप्त करने के लिए मतदाताओं को रिश्वत देने का प्रयास किया। एफआईआर के बाद, जांच शुरू की गई है और इस मामले में कार्रवाई के संकेत -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल-चीन सीमा से सटे पिथौरागढ़ में हिंदुत्व का बोध करा गए मोहन भागवत, पंच परिवर्तन का दिया संदेश

देहरादून (हि.स.)। धर्म-अध्यात्म, संस्कार और संस्कृति के साथ आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ते उत्तराखंड की देवभूमि पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक (आरएसएस प्रमुख) डॉ. मोहन भागवत मानवता के कल्याण के लिए पंच परिवर्तन स्वदेशी, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य व पर्यावरण एवं जल संरक्षण का संदेश दे गए। आरआरएस प्रमुख डॉ भागवत नेपाल-चीन सीमा से सटे उत्तराखंड के सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में प्रवास पर थे। डॉ भागवत मौजूदा वैश्विक हालातों में दुनिया को सही राह दिखाने के लिए सनातन धर्म के सिद्धांतों पर आधारित हिंदुत्व का बोध करा गए। आरएसएस प्रमुख 16 नवंबर को चार दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आए थे। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने सामाजिक समस्याओं और सुरक्षा पर ध्यान देने के साथ सबको साथ लेकर चलने और संतुलन की राह दिखाने के लिए विविधता में एकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र अतीत में समृद्ध रहा है। समाज की ताकत से भविष्य में भी ऐसा ही रहेगा। समाज ही है जो उद्देश्यपूर्ण जीवन जीना सिखाता है। पहली बार पिथौरागढ़ पहुंचे डॉ. मोहन भागवत ने -शेष पृष्ठ दो पर

तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराया, यूरोपीय देशों ने भोजन, पानी जमा करने को कहा

नई दिल्ली। परमाणु युद्ध का खौफनाक खतरा पहले से कहीं ज्यादा नजदीक नजर आ रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस सीमा को कम कर दिया जब रूस परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता था। यह तब हुआ जब यूक्रेन ने रूस के अंदर लक्ष्यों पर लंबी दूरी की छह अमेरिकी मिसाइलें दागीं। नाटो देशों ने युद्ध की आशंका गहराने की आशंका को भांपते हुए अपने नागरिकों को पर्चे जारी किए, जिसमें उन्हें युद्ध की तैयारी करने की सलाह दी गई। द मिरर ऑफ यूके के अनुसार, पैम्फलेट में स्वीडन ने परमाणु युद्ध छिड़ने की आशंका के बीच अपने निवासियों को आश्रय लेने की चेतावनी दी है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से केवल पांच बार जारी किया गया यह पैम्फलेट प्रत्येक स्वीडिश घर में भेजा गया है। नॉर्वे ने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हिंसा के बीच मणिपुर में सियासी संकट सीएम की बैठक से 11 एमएलए नदारद

नई दिल्ली। मणिपुर में हालात तनावपूर्ण है। राज्य की स्थिति को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, एनएसए अजित डोभाल सहित कई अधिकारियों की सोमवार को (हाई-लेवल मीटिंग) हुई थी। राज्य की स्थिति पर बातचीत करने के लिए मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कल (सोमवार) को अपने आवास पर एनडीए विधायकों की बैठक बुलाई। दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, 38 में से 11 विधायक बिना कोई कारण बताए बैठक में शामिल नहीं हुए। इस बैठक में कई प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें मणिपुर में सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम को फिर से लागू करने की आवश्यकता पर केंद्र द्वारा समीक्षा की मांग की गई। इसके अलावा, जिरीबाम हत्याकांड के लिए कथित रूप से जिम्मेदार कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सात दिनों के भीतर एक व्यापक अभियान चलाने की मांग भी की गई। इसी बीच मैतेई नागरिक समाज संगठनों के एक प्रमुख निकाय ने एनडीए विधायकों की बैठक में पारित प्रस्तावों को खारिज कर दिया। वहीं, मैतेई संगठन ने ने कुकी उग्रवादियों के खिलाफ ठोस कदम उठाने का आह्वान किया। बता दें कि पिछले साल से ही मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़की गई थी। वही, इस महीने की शुरुआत में जिरिबाम में महिलाओं और बच्चों सहित छह लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद राज्य में हिंसा का नया दौर शुरू हो गया। जानकारी के मुताबिक, असम ने मणिपुर के साथ सटे सीमाएं सील कर दी है। असम सरकार को डर है कि हिंसा की आग की लपटें उनके राज्य में भी फैल सकती है। असम पुलिस ने राज्य की सीमा पर कमांडो तैनात कर दिए हैं और कहा है कि उन्हें *बुरे तत्वों* के सीमा पार करने की कोशिश करने की सूचना मिली है। वहीं, मणिपुर में एन बीरेन सिंह की इस्तीफे की मांग भी काफी तेज हो चुकी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम चिदंबरम ने उनसे इस्तीफे की मांग की है। वहीं, एनडीए की सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी ने मणिपुर में भाजपा सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। कोनराड सांग्मा के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा है कि अगर राज्य में लीडरशिप को बदला जाता है तो वह अपनी स्थिति पर पुनर्विचार कर सकती है। मैतेई संगठनों की छात्र संघ मणिपुर इंटीग्रिटी पर समन्वय समिति के प्रवक्ता खुरैजम अथौबा ने कहा कि उन्होंने जिरीबाम में छह निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार कुकी उग्रवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने का संकल्प लिया है। हालांकि कि हम कह रहे हैं कि अपराध सिर्फ जिरीबाम में ही नहीं बल्कि मई 2023 से मणिपुर के कई अन्य स्थानों पर भी हुआ है। मणिपुर के लोगों ने राज्य सरकार और विधायकों से सभी एसओओ समूहों की जिम्मेदारी तय करने और उनके खिलाफ अभियान चलाने की मांग की है। छात्र संघ मणिपुर इंटीग्रिटी पर समन्वय समिति के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है। हम चाहते हैं कि अगले 24 घंटों के भीतर सरकार इस प्रस्ताव की समीक्षा करे और बेहतर प्रस्ताव लेकर आए।

ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाला

सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को असम में ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले के सिलसिले में डीबी स्टॉक कंसल्टेंसी की प्रतिनिधि मोनालिसा दास के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। गुवाहाटी में चांदमारी स्थित सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष दायर आरोपपत्र में सीबीआई ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने असम में एक जमा योजना के तहत कई निवेशकों को धोखा दिया। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने यहां कहा कि आरोप पत्र अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम, 2019 की धारा 21 (1), 21 (2), और 21 (3) के साथ धारा 25 के तहत दायर किया गया था; भारतीय दंड संहिता की धारा 409; और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316 (5)। असम सरकार की सिफारिश के बाद एजेंसी ने अक्तूबर के अंतिम सप्ताह में जांच शुरू की। आरोप है कि 2018 से आरोपी व्यक्तियों ने गारंटीड रिटर्न का लालच देकर कई जमाकर्ताओं से बड़ी रकम एकत्र की। बदले में, उन्होंने जमाकर्ताओं को लेन-देन के सबूत के तौर पर 100 रुपए के स्टांप पेपर पर निष्पादित दस्तावेज दिए। प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि, पिछले महीनों में कई जमाकर्ताओं ने अनियमित भुगतान की सूचना दी है, तथा कई को वादा किए गए रिटर्न भी नहीं मिले हैं। इस मामले में असम पुलिस द्वारा 22 अगस्त को गिरफ्तार किया गया पहला व्यक्ति दास फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

मप्र के सीधी में बेकाबू डंपर ने ऑटो को टक्कर मारी, चार लोगों की मौत, तीन घायल

सीधी (हि.स.)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग -39 पर चुरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बढ़ौरा के पास मंगलवार दोपहर तीन बजे एक तेज रफ्तार डंपर ने सवारियों से भरे एक ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। इस हादसे में मां-बेटी और एक साल की नातिन समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हादसे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुख व्यक्त किया है, साथ ही मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, घटना सीधी जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर ग्राम बड़ौरा की है। ऑटो रिक्शा सात लोगों को लेकर सीधी से चुरहट की ओर जा रहा था। वहीं, रीवा की ओर से तेज रफ्तार आ रहे डंपर ने ऑटो को टक्कर मार दी। इससे ऑटो रिक्शा पलट गया और इसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सेमरिया चौकी प्रभारी एसआई विकास सिंह ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। मृतकों की पहचान प्रेमवती तिवारी (45), उनकी बेटी सीता तिवारी (25), नातिन बिट्टू तिवारी (1 वर्ष) और भोले तिवारी (37) निवासी ग्राम बड़ौरा के रूप में हुई है। वहीं, मोहित रावत (22), रजनीश तिवारी (46) और एक डेढ़ साल का बच्चा घायल हुआ है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भाग निकला। लोगों को बताया कि हादसे के दौरान मौके पर काफी भीड़ जुट गई थी। इसी का फायदा उठाकर डंपर चालक मौके से फरार हो गया है। डंपर सड़क पर ही खड़ा रहा है। डंपर उत्तर प्रदेश से रजिस्टर्ड है। उन्होंने बताया कि हादसे की जानकारी लगते ही सेमरिया चौकी पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। सभी घायलों को डायल 100 और 108 एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उन्हें रीवा रेफर कर दिया है। घटना कैसे हुई इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार देर शाम सोशल मीडिया के माध्यम से हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आज सीधी-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ग्राम बढौरा में दो वाहनों के टकराने की दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में कई लोगों के हताहत होने के समाचार से मन व्यथित है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाएगी तथा घायलों को समुचित उपचार व्यवस्था करने हेतु जिला प्रशासन को निर्देशित किया है। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगतों की पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान, घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा शोकाकुल परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

यूपी एटीएस ने जाली भारतीय मुद्रा के साथ दो तस्करों को पकड़ा

वाराणसी (हि.स.)। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की वाराणसी इकाई को बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने सारनाथ इलाके में छापेमारी कर 197000 रुपए की जाली भारतीय मुद्रा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर बिहार निवासी मोहम्मद सुलेमान अंसारी और इदरीस पश्चिम बंगाल से नकली नोटों की तस्करी कर इसकी आपूर्ति उत्तर प्रदेश में करते रहे।

नौ अवैध घुसपैठियों को पुलिस ने वापस भेजा बांग्लादेश

करीमगंज (हि.स.)। असम पुलिस ने नौ अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को वापस बांग्लादेश भेज दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज इस आशय की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए देते हुए कहा कि असम पुलिस ने करीमगंज में भारत-बांग्लादेश सीमा पर नौ बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया।

हत्या के 14 आरोपितों को न्यायालय ने ठहराया दोषी, फैसला सुरक्षित

दक्षिण सालमारा (हि.स.)। हत्या के एक मामले में आज न्यायालय ने 14 लोगों को दोषी ठहराते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया। दक्षिण सालमारा मानकाचर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने 14 लोगों को हत्या के मामले में दोषी ठहराते हुए आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने मानकाचर में हुई हत्या के लिए धारा 447/326/302 आईपीसी के तहत 14 आरोपितों को दोषी ठहराया। अदालत 21 नवंबर को अपना अंतिम फैसला सुनाएगी। पीड़ित के परिवार ने मानकाचर पुलिस थाने में 17 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपित इच्छाम गनी अन्य 16 आरोपितों के कहने पर पुरान दीयर गांव के मोहक्कर हुसैन के तालाब पर गया और उस पर चाकू से हमला कर दिया। पिता को बचाने के लिए गए पुत्र अब्दुर रौप पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया। दोनों को गाजरीकांडी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसके बेटे अब्दुर रौप को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके पिता मोहक्कर हुसैन को बेहतर इलाज के लिए ग्वालपाड़ा भेज दिया गया। मामला अदालत पहुंचा। इसके मुख्य आरोपित इचम गनी की इसी बीच मौत हो गई। दक्षिण सालमारा मानकाचर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आज एक महिला समेत 14 आरोपितों को दोषी करार देते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपितों में उमर फारूक, रफीकुल इस्लाम, अशुरुद्दीन, उजीर मोहम्मद, शाह जमाल, आलिया बीबी, कमाल अकंद, रफीकुल हक, सम्राट अकंद, राणा अकंद, रसूल उद्दीन, अक्कास अली, नजरुल इस्लाम तथा शादवाल अकंद शामिल हैं।

No.DDB-151/15th FC/2020-21/ *Dated- 19-11-2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing Court Fee of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 (One hundred eighty) days, which will subsequently to be converted and drawn up in the APWD's F-2 forms are invited from the registered contractors of Class-II and Class-I (A, B & C) category of Assam (Roads & Building) and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the following works under 15th FC(Grant No. 66) fund for the year 2023-24 during 2024-25 . The tenders will be received by the undersigned up to 2:00 PM on 13/12/2024 and will be opened on the same date and place at 2:30 PM.

Sl. No.	Name of work	Name of VCDC	A.A. Amount in Rs.	Earnest Money	Cost of tender paper	Time of completion	Remarks
1	Const. OF Community Toilet at Ugrijhora Bikribada Sivo Mandir	Polashguri	10,47,960.00	Rs. 10,480/- (1% for ST, SC & OBC) & Rs. 20,960/- (2% for Gen)	Rs. 400/-	3 Months	

Details NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned tender papers will be issued to the contractors or their authorized agent from 20/11/2024 to 13/12/2024 in the office of the undersigned on payment of cost of tender paper in the form of demand draft/bankers cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar, payable at Kokrajhar.

Sd/- Block Development Officer,
Debitola Dev. Block, Debitola

IPR(BTC)/C/2024-25/890

पृष्ठ एक का शेष

श्रीभूमि के नाम ...

साथ-साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन राज्य में औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच होगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मेलन में शामिल होने की पुष्टि की और इस मौके को राज्य के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में होने वाले इस शिखर सम्मेलन से असम के विकास और निवेश संभावनाओं को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। असम सरकार ने दोनों प्रमुख घटनाओं पंचायत चुनाव और शिखर सम्मेलन के लिए व्यापक तैयारियों की योजना बनाई है। पंचायत चुनाव के जरिए राज्य के ग्रामीण इलाकों में स्थानीय सरकारों को सशक्त बनाने का उद्देश्य है, जबकि शिखर सम्मेलन राज्य को निवेश के लिहाज से आकर्षक बनाना और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में नई पहल करना है। इन घोषणाओं से असम के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश के नौ लोगों को मंगलवार को करीमगंज जिले में अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में असम पुलिस ने पकड़ा और पड़ोसी देश के अधिकारियों को सौंप दिया। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान मोहम्मद मामून, अब्बू नईम, राशेद इस्लाम, मोराद अली मंडल, मोहम्मद असराफुल हक, मोहम्मद बसीर हवलदार, मोहम्मद रोबिउल हवलदार, मोहम्मद महाबत अली, मोहम्मद मोहिम हुसैन के रूप में की गई है।

मणिपुर में अफस्पा ...

अन्य स्थानीय संगठनों ने क्वाकीथेल इलाके से रैली शुरू की। पुलिस के रोके जाने से पहले रैली 3.5 किमी की दूरी तय कर चुकी थी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम छह थाना क्षेत्र में अफस्पा लगाने का विरोध करते हैं। जिरीबाम में अफस्पा फिर से लागू किए जाने के कुछ दिनों बाद ही गोलीबारी की घटना हुई। केंद्र सरकार ने मणिपुर के छह थाना क्षेत्रों में फिर से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) लागू कर दिया है। इस अधिनियम के तहत किसी क्षेत्र को *अशांत* घोषित किया जाता है, जिससे सुरक्षा बलों को वहां प्रभावी रूप से कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है। इन क्षेत्रों में जिरिबाम भी शामिल है, जहां हाल ही में हिंसा हुई है। इसमें इंफाल पश्चिम जिले के सेकमई और लमसांग; इंफाल पूर्व जिले का लमसाई, जिरीबाम जिले का जिरिबाम; कांगपोकपी जिले का लेइमाखोंग; बिष्णुपुर जिले का मोइरंग क्षेत्र शामिल हैं। मणिपुर सरकार ने राज्य में अशांति के चलते बंद की गई ब्रॉडबैंड सेवाओं को तीन दिन बाद बहाल कर दिया। वहीं गृह आयुक्त एन अशोक कुमार ने कहा कि मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहेंगी। आदेश में कहा गया कि इंटरनेट प्रतिबंध ने महत्वपूर्ण कार्यालयों, संस्थानों और घर से काम करने वाले लोगों के कामकाज को प्रभावित किया है। लोगों की समस्या को देखते हुए राज्य सरकार ने ब्रॉडबैंड सेवाओं के मामले में सशर्त निलंबन हटाने का विचार किया है। वहीं मोबाइल इंटरनेट डाटा पर प्रतिबंध जारी रखने का फैसला किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने ...

अध्यक्ष ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में मणिपुर के हालात की जानकारी दी है। खड़गे ने लिखा है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा अपना दायित्व ठीक से नहीं निभाने के कारण वहां कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। मणिपुर में हिंसा के चलते मानवाधिकारों का हनन हो रहा है, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक अधिकारों के साथ गंभीर समझौता किया जा रहा है। खड़गे ने कहा कि यह संवैधानिक तौर पर आवश्यक हो गया है कि संविधान के मूल्य को बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति तुरंत हस्तक्षेप कर लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करें। खड़गे ने कहा कि मुझे विश्वस है कि राष्ट्रपति भवन की ओर से किए गए हस्तक्षेप से मणिपुर के लोग एक बार फिर अपने घरों में सुरक्षा और सम्मान से जी सकेंगे। अपने पत्र में खड़गे ने विस्तार से बताया है कि मणिपुर में पिछले 18 महीने से जारी जातीय संघर्ष में 300 से ज्यादा लोग अपनी जान गवां चुके हैं। इनमें महिलाएं, बच्चे और यहां तक की नवजात भी शामिल हैं। राज्य में जारी हिंसा के कारण वहां की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है और जरूरी सामान की कीमतें आसमान पर हैं। राज्य के लोग प्रधानमंत्री से राज्य का दौरा करने की अपील कर रहे हैं लेकिन वह अभी तक वहां नहीं गए।

26 फरवरी को...

प्रदेश में असम इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया था। इस बार असम इन्वेस्टमेंट के साथ-साथ इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर भी जोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली बार इसको लेकर देश के साथ ही विदेशों में भी कई रोड शो किए गए थे। इस बार विदेशों की तुलना में अपने देश के अलग-अलग शहरों में इसको लेकर रोड शो करने पर अधिक जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसमें शामिल होने को लेकर सहमति जताई है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की इस बैठक में इसके अलावा भी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

भारत समुद्री क्षेत्र...

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसी पहल के जरिये रणनीतिक व्यापार मार्गों का लाभ उठाते हुए प्रति वर्ष 1,000 करोड़ टन की बंदरगाह लदान क्षमता का लक्ष्य तय किया है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री ने आगे कहा कि जहाज निर्माण की अपनी विरासत को पुनर्जीवित करते हुए भारत लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य के टिकाऊ लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्वच्छ ईंधन वाले जहाज बनाने पर भी काम चल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में ...

एएसजी के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई जनवरी के तीसरे हफ्ते तक के लिए टाल दी है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर असम, नागालैंड, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में परिसीमन की मांग की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि इन राज्यों में परिसीमन किया जाना चाहिए। याचिका में कहा गया है कि इन चार राज्यों में परिसीमन न करना संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत मौलिक अधिकारों की उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि इन चार राज्यों में कानून व्यवस्था की भी समस्या नहीं है। पिछले दो दशकों में यहां चुनाव भी शांतिपूर्वक हुए है। भारत के अन्य राज्यों में परिसीमन की प्रक्रिया अपनाई गई, लेकिन इन चार राज्यों को वंचित कर दिया गया जो सही नहीं है। हालांकि, जिस समय सुप्रीम कोर्ट में परिसीमन को लेकर याचिका दायर की गई थी उस समय मणिपुर में शांति थी, लेकिन पिछले कुछ महीने से राज्य में हिंसा की कई घटना सामने आ चुकी हैं। मौजूदा समय में भी राजधानी इंफाल समेत कई जिलों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि इन राज्यों में परिसीमन के लिए सभी उपलब्ध उपायों का इस्तेमाल कर लिया गया है। याचिका में कहा गया है कि इन राज्यों में परिसीमन के लिए अगल से परिसीमन आयोग का गठन नहीं किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग से ही इन राज्यों में परिसीमन का काम होना चाहिए।

एनडीए या इंडिया...

के लिए कुल 4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 2,086 स्वतंत्र दावेदार हैं। हालाँकि, इस बार, पिछले दो वर्षों में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग होने से राजनीतिक परिदृश्य अधिक खंडित है। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में से, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 149 उम्मीदवार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 81 उम्मीदवार और डिप्टी सीएम अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने 59 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। विपक्षी महा विकास अघाड़ी में, कांग्रेस ने 101 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के 95 उम्मीदवार और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के 86 उम्मीदवार मैदान में हैं। झारखंड में दूसरे चरण के तहत 20 नवंबर को 38 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण की अधिसंख्य सीटें संथाल और कोयलांचल क्षेत्रों में स्थित हैं। इस चरण में भी कई दिग्गजों की किस्मत दांव पर रहने वाली है। वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्पीकर रबींद्रनाथ महतो, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो, वर्तमान मंत्री इरफान अंसारी, हफीजुल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, बेबी देवी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। दूसरे चरण में कुल 528 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। 13 नवंबर को पहले चरण में 43 सीटों पर 66.65 फीसदी लोगों ने हिस्सा लिया था।

शीतकालीन सत्र से ...

कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संविधान दिवस, डॉ. बी.आर. आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस और संसद पर हमले की वर्षगांठ शामिल है। इस वर्ष का संविधान दिवस इस मायने में खास है, क्योंकि इस वर्ष भारत के संविधान को स्वीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभा की कार्यवाही के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। आगामी सत्र के दौरान स्वच्छता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने सभी एजेंसियों को प्रभावी ढंग से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने संसद भवन के भीतर आईटीडीसी द्वारा प्रदान की जा रही खानपान सेवाओं का निरीक्षण भी किया और संबंधित एजेंसियों को स्वच्छता और सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की और अधिकारियों को सदस्यों के लिए संसद तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाए रखने का निर्देश दिया।

मानसरोवर यात्रा और...

प्रतिनिधियों और विदेश सचिव और उनके चीनी समकक्ष के बीच एक बैठक जल्द ही होगी। विदेश मंत्रालय की ओर से आज जारी बयान में बताया गया है कि जयशंकर ने इस दौरान स्पष्ट किया कि भारत अपने रिश्तों को दूसरे देशों के चश्मे से नहीं देखता। भारत की विदेश नीति सैद्धांतिक और सुसंगत रही है और यह हमारे स्वतंत्र विचार और कार्रवाई से झलकती है। हम प्रभुत्व स्थापित करने के एकतरफा दृष्टिकोण के खिलाफ हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने इस बात को रेखांकित किया कि भारत बहुध्रुवीय एशिया सहित बहुध्रुवीय दुनिया के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। वैश्विक स्थिति और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भारत और चीन के बीच मतभेद और समानताएं दोनों हैं। हमने ब्रिक्स और एससीओ ढांचे में रचनात्मक रूप से काम किया है। जी20 में भी हमारा सहयोग स्पष्ट रहा है। उल्लेखनीय है कि कजान में ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई शिखरवार्ता में सहमति बनी थी कि द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर लाने के लिए दोनों देशों के विदेश मंत्री चर्चा करेंगे। इसी क्रम में जयशंकर और वांग यी के बीच यह मुलाकात हुई।

ईसी ने विनोद ...

दिए गए हैं। भाजपा नेता तावड़े ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा है कि यह आरोप राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा हैं। चुनाव आयोग ने भी इस मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच के आदेश दिए हैं और मामले की पूरी छानबीन करने की बात कही है। इस घटनाक्रम ने महाराष्ट्र के चुनावी माहौल में हलचल मचा दी है और यह सवाल उठाए हैं कि क्या राजनीति में इस तरह के भ्रष्टाचार को रोका जा सकेगा।

नेपाल-चीन सीमा ...

प्रचारक बैठक में विभिन्न सत्रों में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान संघ कार्यों के और अधिक विस्तार दिए जाने पर मंथन किया। संघ का लक्ष्य है कि शताब्दी वर्ष में स्वदेशी, सामाजिक समरसता सद्भाव, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, नागरिक कर्तव्य और कुटुब प्रबोधन विषयों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। डॉ भागवत स्वयंसेवकों को प्रतिदिन सुबह प्रचारकों के साथ शाखा लगाने के महत्व का अहसास करा गए। चार दिन प्रवास के बाद जाते-जाते आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने स्थानीय ऑर्गेनिक उत्पादों में भी अपनी गहरी रुचि दिखाई और अपने भोजन में स्थानीय श्रीअन्न को भी शामिल किया। कुल मिलाकर वे अच्छे खानपान से स्वस्थ जीवन की राह दिखा गए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का मानना है कि हिंदुत्व मानवता की सेवा के साथ दुनिया का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखता है। उनके अनुसार सनातन धर्म मानवता की भलाई का संदेश देता है और यह हिंदुत्व का अभिन्न हिस्सा है। उनका मानना है कि भारत को दुनिया के सामने एक ऐसी मार्गदर्शक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए जो शांति, सह-अस्तित्व और मानवता के सिद्धांतों को बढ़ावा दे सके। उत्तराखंड राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख संजय ने आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के सानिध्य में संघ की चार बैठकें हुईं। इसमें जिला प्रचारक, विभाग प्रचारक, प्रांत प्रचारक व वरिष्ठ स्वयंसेवक शामिल हुए। भागवत का 19 नवंबर तक पिथौरागढ़ में प्रवास होना था, लेकिन महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने के कारण 19 नवंबर का कार्यक्रम अपथा स्थगित दिया गया और वे नागपुर के लिए रवाना हो गए। वे 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ. भागवत ने गत 17 नवंबर को मुवानी में विद्या भारती की ओर से संचालित शेर सिंह कार्की सरस्वती विहार विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया था। उन्होंने सुदूर ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में बच्चों को भारतीय परंपराओं की शिक्षा देने पर जोर दिया था।

तीसरे विश्व युद्ध ...

आपातकालीन पुस्तिकाएं भी जारी कीं जिसमें लोगों को संपूर्ण युद्ध सहित किसी आपातकालीन स्थिति में एक सप्ताह तक प्रबंधन करने की सलाह दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को खतरनाक रूप से बढ़ाते हुए, यूक्रेनी बलों ने मंगलवार देर रात रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में छह अमेरिकी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। इसे मॉस्को द्वारा एक बड़े उकसावे के रूप में देखा जाएगा और एक जोरदार जवाबी कार्रवाई की संभावना है। कई नाटो देश अपने नागरिकों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कह रहे हैं। डेनमार्क ने पहले ही अपने नागरिकों को सूखे राशन, पानी और दवाओं का स्टॉक रखने के लिए ईमेल भेज दिया है ताकि वे परमाणु हमले सहित तीन दिनों की आपात स्थिति का प्रबंधन कर सकें। फिनलैंड ने भी बढ़ते रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच घटनाओं और संकटों की तैयारी पर अपने ऑनलाइन ब्रोशर को अपडेट किया।

जल्द भारत आएंगे ...

के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रूस और भारत के रिश्ते ऐतिहासिक रहे हैं और इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। विशेषकर, रक्षा, ऊर्जा, और द्विपक्षीय व्यापार के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयास हो सकते हैं। रूस और भारत के रिश्तों को लेकर पुतिन की यह यात्रा महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस दौरे में दोनों देशों के बीच सामरिक और आर्थिक सहयोग को और मजबूत किया जाएगा।

बारामती में शरद पवार ...

नावडकर ने बताया कि चुनाव आयोग को शरयू मोटर्स कंपनी के बारे में अज्ञात व्यक्ति की ओर से शिकायत मिली थी। इस शिकायत के आधार पर सोमवार देर रात शरयू मोटर्स कंपनी में चुनाव आयोग की टीम ने पुलिस के साथ सर्च ऑपरेशन किया। नावडकर ने बताया कि तलाशी के दौरान कुछ नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि बारामती विधानसभा क्षेत्र में राकांपा एसपी अध्यक्ष शरद पवार के भाई श्रीनिवास पवार के बेटे युगेंद्र पवार चुनाव लड़ रहे हैं। उनका सामना उपमुख्यमंत्री अजीत पवार से है। सोमवार को युगेंद्र पवार की जनसभा में भारी भीड़ जमा हुई थी। युगेंद्र पवार ने बताया कि उनकी सभा में जमा भारी भीड़ छापेमारी का कारण हो सकती है। यह सब परेशान करने का तरीका हो सकता है लेकिन अगर किसी ने शिकायत की और तलाशी ली गई, इससे उनके चुनाव पर कोई असर नहीं होगा।

बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने विजन दस्तावेज की समीक्षा की

■ विकसित भारत समाचार

कोकराझार। बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद के सीईएम प्रमोद बोड़ो ने बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के समुदायों के लिए विजन दस्तावेज तैयार करने में प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। कोकराझार में बीटीसी सचिवालय सम्मेलन हॉल में आज शाम आयोजित समीक्षा बैठक में व्यापक समुदाय-विशिष्ट फोकस समूह चर्चा (एफजीडी) के माध्यम से एकत्रित अंतर्दृष्टि का मूल्यांकन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन एफजीडी ने बीटीआर में प्रत्येक समुदाय के नेताओं, विद्वानों, छात्र संगठनों, नागरिक समाजों और साहित्यिक समूहों को शामिल किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विजन दस्तावेज उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं, परंपराओं और आकांक्षाओं को व्यापक रूप से प्रतिबिंबित करते हैं। सीईएम प्रमोद बोड़ो ने क्षेत्र के सभी समुदायों के लिए समृद्ध, शांतिपूर्ण और समावेशी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप को आकार देने में विजन दस्तावेज की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि यह दस्तावेज बीटीआर में विविध समुदायों की अनूठी आकांक्षाओं को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्रवाई योग्य योजनाओं का आधार बनेगा। इस अवसर पर बोलते हुए, बीटीसी सीईएम बोड़ो ने शांति, न्याय और सामूहिक खुशी की विशेषता वाले क्षेत्र के निर्माण के लिए बीटीआर सरकार की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने समावेशिता के महत्व पर जोर दिया, यह सुनिश्चित करते हुए कि विकासात्मक पहल सभी समुदायों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई हैं। समीक्षा बैठक में भाग लेते हुए, बीटीसीएलए के अध्यक्ष, कटिराम बोड़ो और बीटीसी के प्रधान सचिव, आकाश दीप ने सहयोगी प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विजन दस्तावेज में लोगों की सामूहिक आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करना चाहिए, जो बीटीआर को एक प्रगतिशील और विकसित क्षेत्र में बदलने के लिए एक मार्गदर्शक ढांचे के रूप में काम करेगा।

तिवा संगठनों के 12 घंटे मध्य असम बंद में छिटपुट घटनाए

गुवाहाटी (हि.स.)। तिवा छात्र संघ सहित पांच तिवा संगठनों द्वारा आज सुबह 5 बजे से बुलाए गए मध्य असम बंद के दौरान छिटपुट घटनाएं होने की सूचनाएं मिली हैं। मध्य असम के नगांव जिले के कठियातली में बंद का असर साफ नजर आया। दुकानें, स्कूल और वाहन सुबह से ही बंद रहे। संगठनों ने तिवा जनजाति के लिए एक विधानसभा सीट संरक्षित करने तथा तिवा भूमि से अन्य लोगों को जल्द बेदखल करने का अभियान चलाने की मांग में इस बंद की घोषणा की थी। बंद समर्थकों ने बंद के दौरान कामपुर कठियातली रोड पर टायर जलाकर सड़क को अवरुद्ध कर दिया। बंद के समर्थकों ने वाहनों पर पथराव भी किया। एक अर्टिगा कार और एक मैजिक वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-36 पर पुलिस और सीआरपीएफ की व्यापक तैनाती रही।

असम विस के प्रवेश द्वार पर राज्य की प्राचीन विरासत का स्मारक होगा

अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने काम की समीक्षा की

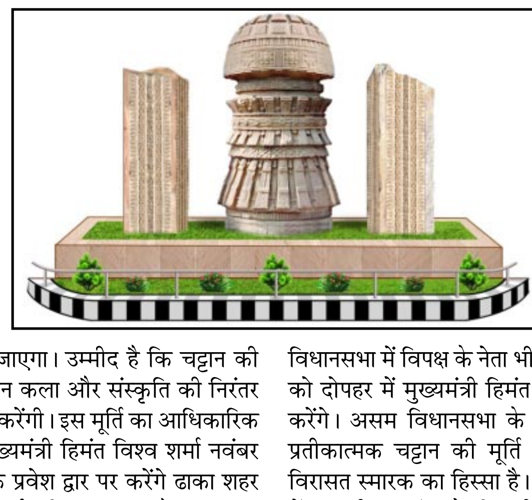

गुवाहाटी। असम सरकार ने उन ऐतिहासिक स्मारकों को प्रकाश में लाने के लिए कई कदम उठाए हैं जिन तक इतिहास पहुंच चुका है या इतिहास नहीं पहुंच पाया है। इसके मुताबिक, असम विधानसभा के प्रवेश द्वार के सामने एक विशेष स्मारक बनाया जाएगा। उम्मीद है कि चट्टान की मूर्तियां असम की प्राचीन कला और संस्कृति की निरंतर बहती लहर को उजागर करेंगी। इस मूर्ति का आधिकारिक अनावरण असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा नवंबर में असम विधानसभा के प्रवेश द्वार पर करेंगे ढाका शहर में चट्टान की मूर्ति का निर्माण किया जा रहा है ढाका शहर में मूर्तिकला का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री 21 नवंबर को दोपहर 2 बजे एनओसी कक्ष और उसी दिन एक कैफेटेरिया का उद्घाटन करने वाले हैं उसी दिन मुख्यमंत्री शर्मा डिजिटल कॉरिडोर और स्मार्ट पोलो का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 2.25 बजे विधानसभा के प्रवेश द्वार पर असम की प्राचीन विरासत को दर्शाती विशेष शैल मूर्तियों के प्रतीकात्मक स्मारक का उद्घाटन करेंगे। स्मारक का उद्घाटन उसी दिन दोपहर 3 बजे असम विधानसभा के अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी द्वारा किया जाएगा उसी दिन विधानसभा में विपक्ष के नेता भी भाषण देंगे। इस कार्यक्रम को दोपहर में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी संबोधित करेंगे। असम विधानसभा के सामने बनाई जाने वाली प्रतीकात्मक चट्टान की मूर्ति वास्तव में कचारियों के विरासत स्मारक का हिस्सा है। ये मॉडल गोलाघाट जिले में कचारी राजवंश के विजयी विरासत स्तंभों के कुछ हिस्सों और कामाख्या मंदिर से दो अन्य स्तंभों से लिए गए थे। कई लोगों का मानना है कि विधानसभा के प्रवेश द्वार पर ऐसी प्रतीकात्मक मूर्तियां स्थापित करने से विरासत संरक्षण का मार्ग प्रशस्त होगा और लोगों के लिए इस मुद्दे के बारे में जागरूक होना आसान हो जाएगा।

असम-मणिपुर सीमा पर पुलिस ने किए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कछार (हि.स.)। मणिपुर में हिंसा के बाद माहौल तनावपूर्ण होने के चलते कछार में असम-मणिपुर सीमा पर असम पुलिस के द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिरीबाम में सीआरपीएफ की गोलीबारी में 10 संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के मारे जाने और जिरीबाम के जकूराधार से अपहृत छह मैतेई महिलाओं और बच्चों के शव बरामद होने के बाद स्थिति एक बार फिर से तनावपूर्ण हो गई है, जिसको देखते हुए असम की कछार पुलिस ने मणिपुर सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार मणिपुर में हिंसा की स्थिति कछार को प्रभावित न करे, यह सुनिश्चित करने के लिए कछार पुलिस सक्रिय है। असम पुलिस सहित कमांडो बटालियन को सीमा पर तैनात किया गया है। पुलिस दिन-रात सीमावर्ती इलाकों में गश्त कर रही है। पुलिस सीमा मार्ग के समानांतर नदी मार्ग पर भी कड़ी नजर रख रही है। कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महता स्थिति का जायजा लेने के लिए हर दिन सीमावर्ती इलाकों का दौरा कर रहे हैं। सीमा पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है ताकि मणिपुर से कछार में कोई भी अवैध प्रवेश कर जिरिबाम के अशांत माहौल का फायदा न उठा सके और कछार में तोड़फोड़ न कर सके। मणिपुर की सीमा से लगे नदी मार्गों पर भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

कोकराझाड़ में क्यूब टीम आईआईटी मद्रास का गुणवत्ता ऑडिट का सफल समापन

कोकराझाड़ (विभास)। आईआईटी मद्रास टीम ने कोकराझाड़ पीएचई डिवीजन नंबर 1 के तहत 3 (तीन) पीडब्ल्यूएसएस का दौरा किया। इंजी. श्रीधर और इंजी. शेख अब्दुल्ला बिन जहान की दो सदस्यीय टीम ने काकरीखोला साल्झार पीडब्ल्यूएसएस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय पीएचईडी टीम का प्रतिनिधित्व इंजी. हितेश राभा, ईई कोकराझाड़ डिवीजन नंबर 1, इंजी. अनिर्बान बोरा, एईई पीएचई कोकराझाड़ सब डिवीजन नंबर 1, असिस्टेंट इंजीनियर सह अनुभागीय अधिकारी इंजी. सुश्री हैना ब्रह्मा, जिला समन्वयक आईएसए, जिला समन्वयक आईईसी, कोकराझाड़ विकास खंड के सीडब्ल्यूसी उपस्थित थे। आईआईटी टीम ने निर्मित सभी इकाइयों का निरीक्षण किया और काकरीखोला साल्झार पीडब्ल्यूएसएस के डब्ल्यूयूसी सदस्यों, गांवों की आशा कार्यकर्ता, एडब्ल्यूडब्ल्यू कार्यकर्ता, पीडब्ल्यूएसएस के तहत 10 लाभार्थियों आदि के साथ बातचीत की। आईआईटी टीम ने भालुकझोरा उजानपारा पीडब्ल्यूएसएस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय पीएचईडी टीम का प्रतिनिधित्व इंजीनियर हितेश राभा, ईई कोकराझाड़ डिवीजन नंबर 1 इंजीनियर अनिर्बान बोरा, एईई पीएचई कोकराझाड़ सब डिवीजन नंबर-1, तकनीकी अधिकारी सह अनुभागीय अधिकारी इंजीनियर फालू शेख, जिला समन्वयक आईएसए, जिला समन्वयक आईईसी, सीडब्ल्यूसी उपस्थित थे। आईआईटी टीम ने निर्मित सभी इकाइयों का निरीक्षण किया और भालुकझोरा उजानपारा पीडब्ल्यूएसएस के डब्ल्यूयूसी सदस्यों, भालुकझोरा गांव की आशा कार्यकर्ता, एडब्ल्यूडब्ल्यू कार्यकर्ता, भालुकझोरा उजानपारा पीडब्ल्यूएसएस के तहत 10 लाभार्थियों आदि के साथ बातचीत की। शाम के समय आईआईटी टीम ने फकीराग्राम पुरानी बाजार पीडब्ल्यूएसएस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय पीएचईडी टीम का प्रतिनिधित्व इंजीनियर हितेश राभा, ईई कोकराझाड़ डिवीजन नंबर-1, इंजीनियर अनिर्बान बोरा, एईई पीएचई कोकराझाड़ सब डिवीजन नंबर-1, इंजीनियर ऋतुराज चौधरी, एईई डोटमा पीएचई सब डिवीजन, इंजीनियर मोनज नंदी, सहायक इंजीनियर पीएचई सह अनुभागीय अधिकारी, फकीराग्राम पीएचई सेक्शन, जिला समन्वयक आईएसए, जिला समन्वयक आईईसी, जिला समन्वयक आईएमआईएस, कोकराझाड़ और डोटमा विकास खंड के तहत सीडब्ल्यूसी मौजूद थे। आईआईटी टीम ने निर्मित सभी इकाइयों का निरीक्षण किया और फकीराग्राम पुरानी बाजार पीडब्ल्यूएसएस के डब्ल्यूयूसी सदस्यों, फकीराग्राम गांव की आशा कार्यकर्ता, एडब्ल्यूडब्ल्यू कार्यकर्ता, फकीराग्राम पुरानी बाजार पीडब्ल्यूएसएस के तहत 10 लाभार्थियों, फकीराग्राम क्षेत्र के प्रमुख नागरिकों आदि के साथ बातचीत की।

चोरी के मामले में आसू का छात्र नेता गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के सोनपुर पुलिस ने चोरी के मामले में ऑल असम स्टूडेंट यूनियन (आसू) के एक छात्र नेता को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित कामरूप जिला के छात्र संगठन आसू का सलाहकार बताया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोनपुर के सरूटारी इलाके में रेलवे लाइन के काम में व्यवहार किए जा रहे एक मिक्सिंग मशीन को 7 नवंबर को दिन के समय चुराया गया था। इस घटना के संबंध में मशीन के मालिक द्वारा सोनपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। चोरी की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद सोनपुर पुलिस ने कामरूप (ग्रामीण) जिले की पुलिस की मदद से रंगिया के कमलपुर इलाके में स्थित एक कबाड़ी की दुकान से मशीन को बरामद कर लिया है। बरामद की गई मशीन को एक वाहन (एएस-01एनसी-4914) के जरिए ले जाया गया था।

तामुलपुर में जंगली हाथी को लगाया गया रेडियो कॉलर

तामुलपुर (हि.स.)। बाक्सा और तामुलपुर जिलों की सीमा से लगे जारतालुक इलाके में दो दिवसीय प्रयास के बाद एक जंगली हाथी के गले में रेडियो कॉलर को लगाने में सफलता मिली है। वन विभाग के सूत्रों ने आज बताया है कि बीते सोमवार को बाक्सा के वन प्रभाग अधिकारी हाथी के झुंड के सरगना नर हाथी के गले में एक रेडियो कॉलर लगाने में सफल रहे। इससे जिला प्रशासन के साथ-साथ वन विभाग द्वारा उपग्रहों के माध्यम से हाथी के झुंड की आवाजाही पर नजर रखी जा सकेगी, जिससे वन क्षेत्र में हाथी की मौजूदगी का पहले ही पता चल सकेगा। रेडियो कॉलरिंग परियोजना भारत सरकार और असम सरकार की एक उल्लेखनीय पहल है। बाक्सा जिले के जिला वन अधिकारी, पद्मश्री कुशल कुमार शर्मा और मानस टाइगर रिजर्व के वन पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी. चौधरी रेडियो कॉलर परियोजना में हाथियों के झुंड की आवाजाही की निगरानी के लिए *ऑपरेशन रेडियो कॉलर प्रोजेक्ट* में शामिल हैं। बाक्सा, तामुलपुर और नलबाड़ी के जिला प्रशासन ने ऑपरेशन रेडियो कॉलर प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा करने में वन विभाग का समर्थन किया। 18 नवंबर को बाक्सा-तामुलपुर जिले की सीमा पर जरतालुक के पुल के पास सफलतापूर्वक रेडियो-कॉलर जंगली हाथी को ट्रेंकुलाइज कर उसके गले में लगाया गया था। रेडियो कॉलर की लागत कुल मिलाकर 7-8 लाख रुपए है, जिसे जिला प्रशासन के लिए वहन करना असंभव था। इसके मद्देनजर बीते 14 नवंबर को जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती की अध्यक्षता में एक बैठक में तामुलपुर जिला प्रशासन ने जंगली हाथियों या किसी भी वन्यजीव की खोज के लिए कम लागत वाले स्वदेशी रेडियो कॉलर के निर्माण के लिए आईआईटी गुवाहाटी के साथ चर्चा करने का निर्णय लिया। यदि यह संभव है, तो हाथी-मानव संघर्ष बहुत कम हो जाएगा।

मणिपुर में पांच बंकर व एक बैरक ध्वस्त

इंफाल (हि.स.)। भारत-म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे ही एक अभियान के दौरान कांगपोकपी जिले के ऐगेजांग और लोइचिंग के बीच के इलाकों में सुरक्षा बलों ने पांच बंकर, दो बैरक और एक शौचालय को नष्ट कर दिया। इस दौरान इलाके से काफी मात्रा में आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए। उनमें एक इंसास खाली केस, एक 12 बोर का खाली केस, 7.62 एसएलआर के 11 खाली केस, एक पुल-थ्रू, कनवर्टर के साथ सोलर प्लेट, कंबल, मच्छरदानी और रसोई के सामान शामिल हैं। सुरक्षा बलों का अभियान जारी है।

राज्य के कई जगह से ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार किए गए

गुवाहाटी/नगांव (हि.स.)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) असम की टीम ने मंगलवार को राजधानी के वशिष्ठ थानांतर्गत लताकाटा से एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 23.54 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। असम पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार तस्कर का नाम जॉन मार उर्फ एलेक्स है। वह मेघालय के पिलिंगकाटा का रहने वाला है। उसके पास से प्लास्टिक की एक साबुनदानी से 13.13 ग्राम हेरोइन तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसके बाद पूछताछ के आधार पर पिलिंगकाटा स्थित उसके किराए के घर की तलाशी के दौरान प्लास्टिक की एक साबुनदानी 10.41 ग्राम हिरोइन बरामद किया। कुल 23.54 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन, एक स्कूटी जब्त की है। एसटीएफ ने आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जब्त सामग्री एवं तस्कर को वशिष्ठ पुलिस को सौंप दिया है। उधर नगांव जिले के कसुवा थाना इलाके के कामपुर जेला इलाके में पुलिस की टीम ने अभियान चला कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित हेरोइन समेत एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कसुवा थाना प्रभारी जाह्नव हजारिका के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान एक ड्रग्स तस्कर को 11.17 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित जब्त किए गए हेरोइन को साबुनदानी में छुपा कर रखा था। पुलिस गिरफ्तार आरोपित के पास हेरोइन के अलावा एक बाइक (एएस-02एएफ-8171) जब्त किया है।

सड़क दुर्घटना में मां-बेटी गंभीर रूप से घायल

नगांव (हि.स.)। नगांव जिले धिंग में लोक निर्माण की सड़क पर खलीहामारी में हुई एक सड़क हादसे में मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को मां-बेटी धिंग के बालीघाट से नगांव की ओर ऑटो रिक्शा (एएस-02डीसी-8647) पर सवार होकर जा रही थी। इसी दौरान एक वाहन ऑटो को जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में मां परवीन खातून और उसकी बेटी मुकसिया खातून गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दोनों को उन्नत चिकित्सा के लिए नगांव भेज दिया।

झुंड के झुंड प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गूंज रहा जमुगुरीहाट का मोंट पुखरी

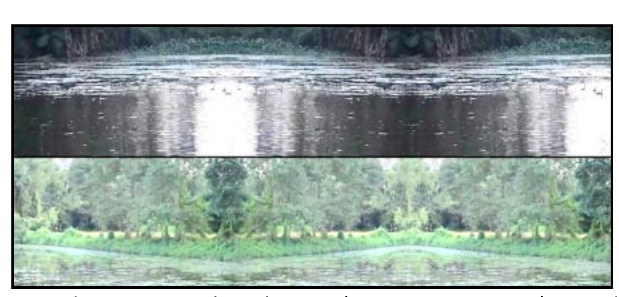

शोणितपुर (हि.स.)। सर्दियों के आगमन के साथ-साथ जिला के जमुगुरीहाट स्थित मोंट पुखरी (तालाब) अब झुंड के झुंड़ प्रवाशी पक्षियों के कोलाहल से गूंज रहा है। जमुगुरीहाट के बरभगिया गांव में स्थित बीस बीघा से अधिक के विशाल तालाब इन दिनों हजारों प्रवासी पक्षियों की शरणस्थली बन गई है। शाम के समय पक्षियों की प्रजातियों में मुख्य रूप से चकैचकोवा, पेलिकन, पातीहंस, शारली, नाइप समेत हजारों की संख्या में प्रवाशी पक्षियों की चहचहाहट से गूंजने लगता है। खूबसूरत प्रवासी पक्षियों के पानी में अटखेलियों के नजारे सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। प्रवासी पक्षी, जो हर साल नवंबर के पहले दो दिनों के भीतर आते हैं, चार या पांच महीने के प्रवास के बाद मार्च के अंत तक फिर से यहां से दूर चले जाते हैं। गौरतलब है कि क्षेत्र के लोगों द्वारा प्रवासी पक्षियों के आवागमन के लिए अनुकूल वातावरण होने के कारण ये प्रवासी पक्षी जामुगुरीहाट के बरभगिया गांव के मोंट तालाब में हर साल आते हैं, जिसको देखने के लिए लोगों की काफी भीड़ देखी जाती है। स्थानीय नागरिक प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा को लेकर भी काफी सतर्क रहते हैं।

पूसीरे और आईआईटी गुवाहाटी के बीच रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

गुवाहाटी (हि.स.)। संरक्षा, परिचालन दक्षता और स्थिरता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक सहयोग में, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी (आईआईटीजी) के साथ चार महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। बुधवार को आईआईटी गुवाहाटी के परिसर में पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एमओयू हुआ। इस प्रतिष्ठित संस्थान का प्रतिनिधित्व करने के लिए आईआईटीजी के निदेशक प्रो. देवेंद्र जालिहाल और अन्य सम्मानित प्रोफेसर और आईआईटीजी के प्रतिनिधिगण भी इस समारोह में मौजूद थे। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि यह सहयोग रेलवे के क्षेत्र और उसके बाहर मौजूद महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचारों का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। एमओयू के अधीन शामिल विकास के मामलों में पहला, स्टैंड-अलोन हाई-स्पीड कैमरों का उपयोग कर मालगाड़ियों में टूटी और बिना टूटी सील का पता लगाने पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगा। आईआईटी गुवाहाटी की विशेषज्ञता के साथ तैयार की गई इस प्रणाली का उद्देश्य चोरी को रोकना और माल के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित कर संरक्षा और परिचालिक दक्षता को मजबूत करना है। दूसरा, एमओयू यात्रियों की सुरक्षा में बढ़ोतरी किए जाने से संबंधित है, जो संभावित आपराधिक गतिविधियों का पता लगाने और अधिकारियों को सूचना प्रदान करने के लिए एक चेहरा पहचान और चेतावनी प्रणाली के विकास पर केंद्रित है। अत्याधुनिक मशीन लर्निंग और एआई तकनीकों को नियोजित करके, यह पहल यात्रियों के लिए एक सुरक्षित यात्रा वातावरण तैयार करने में मदद करेगी। तीसरा समझौता ज्ञापन, ट्रेनों में अलार्म चेन पुलिंग तंत्र के लिए वास्तविक समय चेतावनी प्रणाली की शुरूआत से लंबे समय से चली आ रही परिचालिक चुनौती का समाधान करता है। यह प्रणाली ट्रेन परिचालन के दौरान दबाव में गिरावट और आपातकालीन स्थितियों जैसे मुद्दों को कम करेगी, जिससे यात्रा सुगम होगी और परिचालन प्रबंधन में सुधार होगा। पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, चौथा समझौता ज्ञापन रेलवे कॉलोनियों, परिसरों और कोचिंग डिपो के लिए अपशिष्ट उपचार संयंत्रों (ईटीपी) और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के विकास को लक्षित करता है। इस पहल से रेलवे परिसरों में स्वच्छ और हरित पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे रेलवे समुदायों की समग्र खुशहाली में योगदान मिलेगा। ये सभी समझौता ज्ञापन एक साथ इस क्षेत्र में रेलवे परिचालन की दक्षता, संरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने के लिए अभिकल्पित किए गए एक दूरदर्शी सहयोग को दर्शाते हैं। पूसीरे और आईआईटीजी के बीच महत्वपूर्ण सहयोग नवाचार और तकनीकी प्रगति के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके महत्वपूर्ण तत्व पूर्वोत्तर क्षेत्र की भौगोलिक और परिचालन स्थितियों के लिए अद्वितीय चुनौतियों पर काबू पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन परियोजनाओं से यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों दोनों को काफी लाभ होने की उम्मीद है।

विदेशी सुपारी के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग पुलिस ने अलग-अलग अभियान के दौरान तीन ड्रग्स तस्करों और एक सुपारी तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बोलेरो पिकअप वाहन (एएस-31सी-1077) से 23 बस्ता में छुपा कर रखे गए 23 क्वींटल विदेशी सुपारी जब्त किया गया। इस मामले में नजीर हुसैन नामक एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जब्त की गई सुपारी की कीमत लगभग 11 लख रुपए आंकी गई है। वहीं अन्य एक अभियान के दौरान रेत लेकर जा रहे डंपर (एनएल-01एए-3778) से दिलाई पुलिस ने डबका के जाकिर हुसैन, काईरुल इस्लाम और फारूक अहमद को तीन साबुनदानी में छुपा कर रखे गए 35.95 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। जब्त की गई हेरोइन की कीमत लाखों रुपए आंकी गई है। पुलिस इस संबंध में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चारों आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है।

संपादकीय

क्यों जल रहा मणिपुर?

मणिपुर बीते 565 दिनों से सुलग और जल रहा है। अब हिंसा और विद्रोह थम नहीं पा रहे हैं। गुस्सा और आक्रोश इस पराकाष्ठा तक पहुंच चुके हैं कि पहली बार मंत्रियों और विधायकों के आवास बड़े स्तर पर निशाने पर हैं। रविवार को एक भाजपा विधायक का घर फूंक दिया गया। भाजपा-कांग्रेस के दफ्तरों में तोड़-फोड़ की जा रही है। तीन मंत्रियों सहित 9 विधायकों के घरों पर हमले किए जा चुके हैं। बीते शनिवार को गुस्साई भीड़ ने एनपीपी विधायक रामेश्वर सिंह को घर से निकाल कर खूब पीटा। त्वरित प्रतिक्रिया में एनपीपी ने बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। पार्टी के 7 विधायक हैं। समर्थन वापसी का पत्र भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी भेज दिया गया है। तीन निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार से समर्थन खींच लिया है। कुकी समुदाय के 7 विधायक मई, 2023 से ही राज्य की भाजपा सरकार से अलग हैं। कुल 17 विधायकों के समर्थन वापस लेने के बावजूद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की सरकार अल्पमत में नहीं है, क्योंकि 60 के सदन में सरकार को कुल 52 विधायकों का समर्थन हासिल था। बुनियादी मुद्दा बहुमत या अल्पमत का नहीं है। अलबत्ता मणिपुर के हालात ने सरकार के भीतर ही विद्रोह सुलगा दिया है। बताया जाता है कि स्पीकर सहित 14 भाजपा और 5 अन्य विधायकों ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिख कर मुख्यमंत्री बदलने की मांग की है। यदि प्रधानमंत्री ने यथासमय निर्णय नहीं लिया, तो सदन में 'विश्वास मत' की नौबत आ सकती है। यदि भाजपा के विद्रोही विधायक अपनी मांग पर अड़े रहे, तो सरकार अल्पमत में आ सकती है। बहरहाल सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार मणिपुर को शांत, स्थिर करने की पक्षधर नहीं है अथवा वह विस्फोटक हालात को नियंत्रित करने में अक्षम, नाकाम है? ताजा घटनाक्रम जलने लगा, तो गृहमंत्री अमित शाह ने शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के संग बैठकें कीं। कुछ विद्रोही विधायकों से फोन पर बातचीत भी की गई। अंततः सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को मणिपुर भेजा गया है। सेना और असम राइफल्स के हजारों जवान तैनात हैं और हालात से जूझ रहे हैं। मणिपुर में 'अफस्पा' लागू है, हालांकि मणिपुर अखंडता की समन्वय समिति इसे हटाने का बार-बार आग्रह कर रही है। हालात ऐसे हैं कि महिलाओं और बच्चों की भी हत्याएं की गई हैं, क्योंकि उनके शव मिले हैं। उसके बाद ही ताजा तनाव फैला है और हिंसा बढ़ी है। इंफाल घाटी में कर्फ्यू लगा है। इंटरनेट और मोबाइल डाटा सेवाएं फिलहाल निलंबित हैं। मुद्दा मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय तनाव का है। यह कैसा मसला है, जिसे भारत सरकार सुलझा नहीं पा रही है? संसद के भीतर और बाहर लगातार सवाल किए जाते रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी एक बार भी मणिपुर क्यों नहीं गए? क्या वह भारत गणराज्य का हिस्सा नहीं है? डबल इंजन की सरकार है, लेकिन न तो मणिपुर 'एक' है और न ही वहां की जनता 'सेफ' है! मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के खिलाफ मुद्दत से असंतोष और विद्रोह देखा जा रहा है, फिर भी उन्हें बरकरार रखने का मोह क्या है? वैसे यह राजनीतिक मसला भी नहीं है। दोनों समुदाय 'जनजातीय दर्जा' हासिल करने को संघर्ष कर रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री यह समस्या भी सुलझा नहीं सकते? ये हालात मणिपुर में उग्रवाद की नई लहर पैदा कर सकते हैं। मोदी सरकार आतंकवाद या उग्रवाद अथवा नक्सलवाद को कुचलने के दावे करती रही है, लेकिन मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का आवास भी घेरा जाए या हमले की नौबत आ जाए और सुरक्षा बढ़ानी पड़े, तो क्या उन्हें सामान्य हालात कहेंगे? मैतेई समुदाय का आरोप है कि उग्रवादियों ने अपहरण कर उसके लोगों की हत्या की है, जिनके शव मिलने के बाद हालात उग्र हुए थे। बहरहाल मणिपुर में विधायकों के घरों पर हमला करने वाले लोगों को गिरफ्तार किया गया है, दूसरी ओर कुकी समुदाय जिद पर अड़ा है कि जब तक मुठभेड़ में मारे गए उसके युवकों की पोस्टमॉर्टम रपट नहीं मिलेगी, तब तक उनका अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। कुल मिला कर मणिपुर में हालात अराजक हैं, हिंसा और हत्याओं का दौर है, क्या लोकतंत्र में ऐसा ही होता है? क्या प्रधानमंत्री के स्तर पर एक जनजातीय दर्जे का मसला हल नहीं किया जा सकता।

गुस्सा और आक्रोश इस पराकाष्ठा तक पहुंच चुके हैं कि पहली बार मंत्रियों और विधायकों के आवास बड़े स्तर पर निशाने पर हैं। रविवार को एक भाजपा विधायक का घर फूंक दिया गया। भाजपा-कांग्रेस के दफ्तरों में तोड़-फोड़ की जा रही है। तीन मंत्रियों सहित 9 विधायकों के घरों पर हमले किए जा चुके हैं। बीते शनिवार को गुस्साई भीड़ ने एनपीपी विधायक रामेश्वर सिंह को घर से निकाल कर खूब पीटा। त्वरित प्रतिक्रिया में एनपीपी ने बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। पार्टी के 7 विधायक हैं। समर्थन वापसी का पत्र भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी भेज दिया गया है। तीन निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार से समर्थन खींच लिया है। कुकी समुदाय के 7 विधायक मई, 2023 से ही राज्य की भाजपा सरकार से अलग हैं।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम व अन्य से संबंधित केस में दो टूक कहा है कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

बुलडोजर एक्शन पर कोर्ट का आदेश मनमानी पर अंकुश

योगेन्द्र योगी

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोर एक्शन के मामले में फैसला देकर सरकारों का यह सपना तोड़ दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली की आप सरकार के मामले में दिया है, किन्तु यह लागू सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर को बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए तीखी टिप्पणी की। साथ ही बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन तय कर दी।

सरकारें की गलतफहमी है कि एक बार चुनाव जीतने के बाद उन्हें मनमानी का अधिकार मिल जाता है। इसी भ्रम में सरकारें अपने को अदालत से ऊपर समझने लगती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोर एक्शन के मामले में फैसला देकर सरकारों का यह सपना तोड़ दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली की आप सरकार के मामले में दिया है, किन्तु यह लागू सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर को बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए तीखी टिप्पणी की। साथ ही बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन तय कर दी। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने दो टूक कहा कि किसी भी मामले में आरोपी होने या दोषी ठहराए जाने पर भी घर तोडऩा सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जमीयत उलेमा-ए-हिन्द बनाम उत्तरी दिल्ली नगर निगम व अन्य से संबंधित केस में दो टूक कहा है कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकते। बगैर सुनवाई आरोपी को दोषी नहीं करार नहीं दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा अपना घर पाने की चाहत हर दिल में होती है। यद्यपि यह फैसला दिल्ली सरकर से संबंधित है पर इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस फैसले के बाद अब योगी सरकार के लिए बुलडोजर एक्शन लेना भी मुश्किल हो जाएगा। कार्यपालिका के पास असीम शक्तियां होती हैं। इसी बल पर हर साल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को कार्यपालिका विभिन्न कारणों को आधार बनाकर सैकड़ों आदेशों का अनुपालन नहीं करती है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से शुरु हुआ बुलडोजर एक्शन का यह सिलसिला पूरे देश में फैल गया था। राज्यों की सरकारों ने इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। वोट बैंक राजनीति ऐसे फैसलों में साफ नजर आती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन अपराधियों के आवास और व्यवसायिक प्रतिष्ठान गिराने के लिए लिया गया था। बुलडोजर एक्शन में भी अपराधियों में भेदभाव के उदारहण मौजूद हैं। इसका दुरुपयोग भी सांप्रदायिक आधार पर किया गया। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी सख्त कार्रवाई से अपराधियों में कहीं न कहीं खौफ उत्पन्न होता है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जिस तरह माफिया या गैंगस्टर का सफाया किया, उससे काफी हद

तक अपराधों पर लगाम लग सकी है। इस कार्रवाई से शायद ही कोई इत्तफाक रखता हो। सवाल यही आता है कि अपराध रोकने की आड़ में सरकार क्या कानून से ऊपर है। बुलडोजर एक्शन में यही बात नजर आती है। दरअसल यह काम देश की अदालतों का है कि सुनवाई के बाद आरोपी को सजा देने या नहीं देने का। बुलडोजर एक्शन में ऐसे न्याय की संभावना पहले ही खत्म हो जाती है, जहां बगैर किसी सुनवाई के फैसला सुना दिया जाता है। इससे यदि आरोपी गलत ना भी हो तो उसे घर या दुकान तुड़वाने की सजा भुगतनी पड़ती है। जबकि सजा तय करने की जिम्मेदारी अदालतों की है। सरकारों की यह हरकत निश्चित तौर पर अदालतों के मामले में दखलंदाजी रही है। बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई सरकारों को बेशक सस्ती लोकप्रियता दिला सकती है, न्याय नहीं। महाराजगंज जिले में सड़क के फोर लेन की चौड़ीकरण के संबंध में एक व्यक्ति के मकान गिराने के लेकर कोर्ट ने काफी तीखी टिप्पणी दी और उत्तर प्रदेश सरकार पर 25 लाख का जुर्माना भी लगाया। हालांकि यह विकास कार्यों के लिए की गई कार्रवाई थी। इसमें सरकार की वह मंशा नहीं थी कि किसी अपराधी का घर गैरकानूनी अवैध कब्जा की बात कहकर गिराई गई हो। फिर भी कोर्ट ने पीड़ित की बात सुनी। इस तरह के अतिक्रमण हटाने के भी कायदे-कानून बने हुए हैं। उनका पालना किए गए बगैर सीधे बुलडोजर दौड़ा देना, अन्याय ही कहा जाएगा। ऐसे मामलों की भी कमी नहीं हैं, जहां आम आदमी की सम्पत्ति को अतिक्रमण के नाम पर ढहा दिया जाता है, वहीं रसूखदारों की तरफ प्रशासन की आंख उठाने की भी हिम्मत नहीं होती। देश का शायद ही ऐसा कोई शहर होगा जहां, प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण तोडऩे में सरकार और प्रशासन ने उदाहरण पेश किए होंगे। सरकार और प्रशासन प्रभावशाली लोगों के सामने कैसे नतमस्तक हो जाते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण नोएडा के ट्विन टावर का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2021 में सुपरटेक के नोएडा एक्सप्रेसवे पर स्थित एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के अपैक्स और सियान टॉवरों को अवैध ठहराया था। दोनों 40 मंजिला टावरों को ढहाने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने कंपनी को फ्लैट खरीदारों को ब्याज के साथ पैसे वापस करने का आदेश दिया। जबकि इस मामले में सरकार और नोएडा ऑथरिटी सब कुछ जानते हुए भी हाथ पर हाथ धरे हुए बैठे रहे। नोएडा अथॉरिटी को भी इस ध्वस्तिकरण पर निगरानी करने और रिपोर्ट अदालत को देने का आदेश दिया गया है। इस आदेश के कुछ महीनों बाद बाद ट्विन टावर को ढहा दिया गया। बुलडजोर एक्शन लेने वाली सरकार और प्रशासन को यह पहले से ही पता था कि ये टावर नियमों के विपरीत बनाए गए हैं। इसके बावजूद शासन-प्रशासन में बैठे जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे रहे। यहां बुलडोजर चलाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। इसकी उपेक्षा ऐसे ही नहीं की गई। इसमें भारी भ्रष्टाचार की गंध चारों तरफ से आ रही थी, किन्तु अदालत के फैसले से पहले किसी ने इसकी परवाह नहीं की, वहीं कमजोर के मामले में बुलडोजर एक्शन लेने में फुर्ती दिखाई जाती है। देश में भूमाफिया और बिल्डर की शासन-प्रशासन से मिलीभगत के किस्से आम हैं। देश के महानगर से लेकर छोटे शहरों में अतिक्रमणों की बाढ़ आई हुई है। ये अतिक्रमण एक दिन में नहीं हुए। अतिक्रमियों ने सार्वजनिक सुविधा के क्षेत्र तक नहीं छोड़े। देश में शायद ही ऐसी कोई सड़क या फुटपाथ होगा, जहां अतिक्रमण ने पांव नहीं पसारे। वन क्षेत्र हो या गोचर भूमि, यहां तक की तालाब, नदियों और झीलों के बहाव क्षेत्र भी अतिक्रमियों की भेट चढ़ गए, किन्तु शासन-प्रशासन की तंद्रा भंग नहीं हुई। ये तभी जागते हैं जब अदालतों का डंडा चलता है। इन अतिक्रमियों के निर्माण पर बुलडोजर चलाने से सब कतराते हैं। इसका उदाहरण जयपुर का रामगढ़ बांध है। कभी बरसाती जल से सरोबार रहने वाला यह प्रसिद्ध बांध अतिक्रमियों का शिकार हो गया। कभी जयपुर की लाइफ लाइन माने जाने वाला यह बांध कई दशकों से सूखा पड़ा है। देश में ऐसे सैकड़ों उदाहरण मौजूद हैं जहां अतिक्रमियों ने प्राकृतिक स्त्रोतों को ही निगल लिया।

दृष्टि कोण

ट्रम्प की वापसी अमेरिकी प्रणाली की सफलता

चार साल पहले, डोनाल्ड ट्रम्प को राजनीतिक रूप से मृत समझा गया था। उन पर दो बार महाभियोग लगाया गया, राज विद्रोह के उच्च अपराध के लिए दोषी ठहराया गया, कई अपराधों के लिए अदालतों में मुकदमा चलाया गया, मीडिया द्वारा उपहास किया गया, और उनका पुनः चुनाव जीतने का प्रयास विफल हो गया। हाल के राष्ट्रपति चुनाव में उनके आश्चर्यजनक पुनरुत्थान ने इसलिए कई राजनीतिक पंडितों और सर्वेक्षण कर्ताओं को चौंका दिया है। ट्रम्प के विरोधी लंबे समय से कहते रहे हैं कि वह अमेरिकी लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और उन्हें राष्ट्रपति पद के आसपास भी नहीं जाने दिया जाना चाहिए। वे उनके निरंकुश व्यवहार, सार्वजनिक प्रवचन में अभद्रता और गैरकानूनी कार्यों की ओर इशारा करते हैं। उन्हें यह भी डर है कि अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ट्रम्प की जेब में है।इन शंकाओं के चलते प्रश्न यह है कि अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था ने ट्रम्प को फिर से जीतने कैसे दिया? इसका जवाब वहां के राष्ट्रपति चुनाव के तंत्र में निहित है, मुख्यतः उनकी 'खुली पार्टी' प्रणाली, प्राथमिक चुनाव व्यवस्था, और इलेक्टोरल कॉलेज। अमेरिका की 'खुली पार्टी' प्रणाली ने ट्रम्प को उनकी 2020 की हार के बावजूद विभिन्न राज्य और स्थानीय चुनावों में उम्मीदवारों को चुनकर और समर्थन करके प्रासंगिक बने रहने की अनुमति दी। यदि अमेरिकी राजनीतिक दलों को पोलित ब्यूरो या पार्टी के आकाओं द्वारा चलाया जाता, तो ट्रम्प को गुमनामी में भेज दिया जाता। परंतु पार्टियों की खुली व्यवस्था होने के कारण वह अपने एजेंडे को अपने उम्मीदवारों के माध्यम से आगे बढ़ाने में सक्षम रहे। ट्रम्प के कई उम्मीदवार बिल्कुल नए चेहरे थे, जैसे एरिजोना में ब्लेक मास्टर्स, जॉर्जिया में हर्शल वॉकर और पेंसिल्वेनिया में मेहमेट ओज। यदि अमेरिका में 'बंद पार्टी' प्रणाली होती, जैसी भारत में है, जहां पार्टी के आका तय करते हैं कि पार्टी लेबल किसे मिलेगा, ट्रम्प पार्टी में उच्च पद के बिना उम्मीदवारों को नहीं चुन पाते। ट्रम्प समर्थित उम्मीदवारों को अमेरिकी प्राथमिक चुनावों की प्रणाली ने उनके 'मैगा' एजेंडे को टेस्ट करने की अनुमति दी। वर्ष 2022 आते, ट्रम्प का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारा लोकलुभावन नीतियों का पर्याय बन गया, जैसे कि सीमा नियंत्रण, कर कटौती, टैरिफ और एंटी-वोक (अत्यंत उदार) सामाजिक नीतियां। ट्रम्प के कुछ निजी मुद्दे, जैसे कि 2020 की चुनावी हार से इनकार, अलोकप्रिय साबित हुए और सुर्खियों से हटते गए। उदाहरण के लिए, एरिजोना में एक ट्रम्प समर्थित उम्मीदवार, कैरी लेक, जिन्होंने चुनावी हार से इनकार को भुनाने की कोशिश की, अपने गवर्नर और फिर सीनेट दोनों चुनावों में हार गयीं। इस सब ने ट्रम्प को राष्ट्रपति के प्राथमिक चुनावों में एक ऐसे 'मैगा' प्लेटफार्म को सामने रखने की अनुमति दी जो पहले से भी अधिक लोकप्रिय था। वह अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने वाले पहले रिपब्लिकन थे, हालांकि फिर भी उन्होंने 12 विरोधियों की भीड़ का सामना किया। उनमें उनके पूर्व उपराष्ट्रपति (माइक पेंस), पांच गवर्नर (निक्की हेली, रॉन डेसेंटिस, आसा हचिंसन, क्रिस क्रिस्टी, डग बर्गम), एक सीनेटर (टिम स्कॉट), एक हाउस प्रतिनिधि (विल हर्ड), और विवेक रामास्वामी जैसी उच्च स्तरीय हस्तियां शामिल थीं। ट्रम्प का एजेंडा इतना लोकप्रिय था कि प्राइमरी शुरू होने से पहले ही आठ विरोधी बाहर हो गए। हचिंसन और रामास्वामी ने एक प्रतिशत से भी कम वोट हासिल किए और अपनी मुहिम समाप्त कर दी। फ्लोरिडा के गवर्नरशिप आसानी से जीतने वाले डेसांटिस भी केवल 1.6 फीसदी वोट के साथ बाहर हो गए। हेली लगभग 20 फीसदी वोट प्राप्त करने में कामयाब रही, लेकिन वह ट्रम्प की लोकप्रियता का सामना नहीं कर सकीं और अंततः उसका समर्थन किया। आम चुनाव के दौरान, ट्रम्प ने इलेक्टोरल कॉलेज पर ध्यान केंद्रित किया और अपने 'मैगा' एजेंडा को सात 'स्विंग' राज्यों में से प्रत्येक के अनुरूप बनाया। उदाहरण के लिए, पेंसिल्वेनिया में, जहां ज्यादातर कामकाजी वर्ग के लोग रहते हैं, ट्रम्प ने रोजगार वापस लाने के बारे में बात की, जबकि कमला हैरिस प्रजनन अधिकारों पर केंद्रित रहीं। विस्कॉन्सिन, एक ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों से तबाह राज्य, में ट्रम्प ने अफोर्डेबल केयर एक्ट का विकल्प खोजने पर अभियान चलाया, जबकि हैरिस ने दवाओं की कीमत कम करने के बारे में बात की। ट्रम्प ने इन सभी सात राज्यों को 0.9 प्रतिशत (विस्कॉन्सिन) से 5.7 प्रतिशत (एरिजोना) के अंतर से जीता। अंत में, ट्रम्प के 'मैगा' एजेंडे ने कई पारंपरिक रूप से डेमोक्रेटिक मतदाताओं से समर्थन प्राप्त किया। उदाहरण के लिए, शहरी काउंटियों ने रिपब्लिकन पक्ष में 5.8 प्रतिशत, हिस्पैनिक-बहुमत वाली काउंटियों ने 13.3 प्रतिशत और काले-बहुमत वाली काउंटियों ने 2.7 प्रतिशत की ओर रुख किया। ट्रम्प ने अश्वेत पुरुषों के अपने हिस्से को लगभग दोगुना कर दिया, और अपने 2020 अभियान की तुलना में महिलाओं से 3 फीसदी अधिक वोट प्राप्त किए।

कुछ अलग

पोषण के विकल्प

सरकारी हलकों में चावल को खनिजों और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों से समृद्ध करने (फोर्टिफिकेशन) को पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) के एक सदस्य द्वारा हाल ही में लिखे गए एक लेख से पता चला है कि फोर्टिफिकेशन सही विकल्प नहीं है। उन्होंने आगाह किया कि 'फोर्टिफिकेशन रणनीति का एक महत्वपूर्ण चालक अंतरराष्ट्रीय दाताओं और गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई वकालत है', और सुझाव दिया कि 'विभिन्न प्रकार की फोर्टिफिकेशन का समर्थन करने वाले अधिक मजबूत साक्ष्य' की आवश्यकता है। पीएमईएसी ने नवीनतम घरेलू उपभोग सर्वेक्षण डेटा का विश्लेषण किया और दिखाया कि बच्चों और महिलाओं में एनीमिया का प्रसार आयरन स्रोतों की खराब आहार विविधता से जुड़ा है। विश्लेषण ने भारत में आयरन और जिंक के सेवन को बेहतर बनाने और एनीमिया को कम करने के लिए अनाज के सार्वभौमिक फोर्टिफिकेशन के 'सीमित प्रभाव' की ओर संकेत किया। शमिका रवि (पीएमईएसी की एक अन्य सदस्य) और भारतीय सांख्यिकी संस्थान के कई विशेषज्ञों द्वारा 2022-23 और 2011-12 के सर्वेक्षण डेटा पर आधारित विश्लेषण किया गया था। यह सच है कि हमारे देश में एक बड़ी आबादी पर्याप्त पोषण से वंचित है। मुख्य रूप से पोषक तत्वों की कमी (जिसे हम आम तौर पर कुपोषण कहते हैं), इस समस्या की जड़ है। हालांकि पोषक तत्वों की कमी की समस्या के बारे में नीति निर्माताओं की चिंता समझ में आती है, लेकिन नीति निर्माताओं को इस अंतर को भरने के लिए तरीके और साधन विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि भोजन की थाली में पर्याप्त पोषक तत्व सुनिश्चित किए जा सकें। हमें गरीबी को खत्म करने और आम लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए नीतियों का विवेकपूर्ण मिश्रण विकसित करने की आवश्यकता है। आम तौर पर कहा जाता है कि भारतीय महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा आयरन की कमी, यानी एनीमिया से पीड़ित है। इसी तरह, देश में बड़ी संख्या में बच्चे अपनी उम्र और लंबाई के मुकाबले बौने और कमजोर हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि उन्हें बचपन में पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिलते। इसी तरह, कई कारणों से, खासकर पोषक तत्वों के कम सेवन के कारण, लोग विटामिन की कमी से भी पीड़ित होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कुपोषण से निपटने का सबसे कारगर तरीका भोजन की थाली में पर्याप्त पोषक तत्व होना है। यह समझना होगा कि भोजन की पर्याप्तता और पोषण दो अलग-अलग चीजें हैं। पौष्टिक भोजन के लिए भोजन की थाली में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, खनिज, विटामिन आदि पर्याप्त मात्रा में होने चाहिएं। यह संभव है कि अगर आबादी को आवश्यक कैलोरी के साथ पर्याप्त भोजन मिल भी जाए, तो भी यह जरूरी नहीं है कि उसकी सभी पोषण संबंधी जरूरतें पूरी हो जाएं। आम तौर पर कार्बोहाइड्रेट खाद्यान्नों से प्राप्त होता है, लेकिन प्रोटीन की आवश्यकता ज्यादातर दालों, फलों और सब्जियों, सूखे मेवों, दूध और अंडे, मांस आदि से पूरी होती है। आलू, पत्तेदार सब्जियां, मिर्च, फल, अनाज, वसा, मांस, मछली, मशरूम आदि में असंख्य पोषक तत्व होते हैं। सभी पोषक तत्वों की आवश्यकता पूरी करनी है, तो हमें संतुलित आहार की आवश्यकता है, न कि केवल अनाज की।

देश दुनीया से

सेवानिवृत्त व्यक्ति और विटामिन डी का संबंध

सेवानिवृत्ति हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा है। सेवानिवृत्ति एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है तथा एक नए जीवन की शुरुआत है। कम शब्दों में कहें तो उत्साह एवं कर्मण्यता का पुनर्जन्म है सेवानिवृत्ति। यह ऐसा अवसर होता है जिसमें खुशी और गम दोनों का समावेश होता है। अपने 40 वर्ष के लंबे सेवाकाल के उपरांत मैं लगभग तीन माह पहले ही सेवानिवृत्त हुआ हूं, लेकिन इस अल्पकाल में ही मुझे इस कालखंड के अनुभव का अनोखा ज्ञान प्राप्त हो गया है। मेरे साथी, जो मुझसे कुछ समय पहले रिटायर हुए थे, उनकी दिनचर्या ने मेरे ज्ञान में और बढ़ोतरी की है। मैं अपना अनुभव पाठकों से सांझा करना चाहूंगा ताकि इस विषय पर वे भी अपना मत रखें। सेवानिवृत्ति के बाद जीवन में कुछ बदलाव आते हैं जो निम्नानुसार संकलित हैं : 1. अपने कार्यकाल में सरकारी गाड़ी या अपनी लंबी-सी गाड़ी, जिसमें तेल डलवाने के पैसे सरकार देती है, का ताउम्र उपयोग करने वाला अधिकारी सेवानिवृत्त होते ही स्कूटी खरीदता है जिसकी माइलेज कम से कम 50 किलोमीटर प्रति लीटर होनी चाहिए। हो सकता है अगले दो साल के अंदर वह साइकिल खरीद ले, ताकि परिवहन खर्च जीरो पर आ जाए। 2. विवाह, शादी या किसी अन्य समारोह में जहां वह 1100 रुपए का शगुन देता था, अब उसके शगुन के लिफाफे में 101 रुपए से ज्यादा नहीं होते। जो लिफाफा पहले कभी उसकी कमीज की ऊपर वाली जेब में सुशोभित हुआ करता था, वह पैंट की पिछली जेब में पहुंच जाता है। 3. जिस मोबाइल फोन की घंटी कभी सुबह से शाम तक बजती थी, सेवानिवृत्ति के बाद वह प्रायः मृत अवस्था में पड़ा दीखता है। व्यक्ति कभी उसकी बैटरी निकाल कर देखता है या कभी अपनी हथेली पर मार कर चैक करता है कि कहीं कोई खराबी तो नहीं आ गई। लेकिन यह समझने में उसे कुछ समय लगता है कि वह रिटायर हो चुका है तथा कम से कम कार्यालय से आने वाली फोन कॉल रिटायरमेंट के अगले दिन से ही बंद हो चुकी है। 4. पहले जहां अधिकतर फोन कॉल ऑफिस के कार्य हेतु वरिष्ठ या कनिष्ठ अधिकारियों के आते थे, उनकी जगह अब बैंकों या वित्तीय कंपनियों के एजैंट रिटायर्ड व्यक्ति को उसकी भविष्य निधि की जमा पूंजी अपने-अपने संस्थानों में निवेश करने हेतु प्रेरित करते हुए फोन करते नहीं थकते। 5. यदि बीवी नौकरी में है, तो वह सुबह जाते हुए बहुत से काम दे कर जाएगी, जैसे कौनसी सब्जी लानी है तथा यदि पका नहीं सकते, तो कम से कम काट कर रखना है। दूध जरूर उबालना है, नहीं तो फट जाएगा। धुले कपड़ों को धूप में सलीके से आगे-पीछे करते रहना, ताकि ढंग से सूख जाएं। यदि हो सके तो दर्जी से मेरा सूट ले आना और सारा दिन धूप में बालकनी में नहीं बैठे रहना। 6. यदा-कदा घर की मेड (गृह-सहायिका) जब छुट्टी पर होती है, तब छोटे-मोटे कार्य स्वयं निपटाने पड़ते हैं और इन्हीं कार्यों को करते हुए यह पता चलता है कि झाड़ू लगाते समय आगे की ओर बढऩा है और पोंछा लगाते हुए पीछे को चलना है। यही जीवन का सत्य है। 7. जैसे कोरोना काल में हुआ था, पैंट का स्थान पायजामा ले लेता है क्योंकि पैंट पहन कर जाना कहां है, यह यक्ष प्रश्न रिटायर्ड व्यक्ति के सम्मुख खड़ा हो जाता है। वही पायजामा जिसे पहनना कभी हीनता की भावना से देखा जाता था, अब अलमारी में पड़ी पैंट को चिढ़ा रहा होता है। यही काल चक्र है। जिंदगी में प्राथमिकताएं बदलती रहती हैं। निःसंदेह सेवानिवृत्ति के बहुत से फायदे भी हैं, बशर्ते आप को अच्छी पेंशन मिलती हो या आपने अपनी भविष्य निधि का समझदारी से निवेश किया हो। मेरी समझ के अनुसार निम्नलिखित बातें रिटायर्ड व्यक्ति के पक्ष में जाती हैं : 1. उस व्यक्ति को आप क्या कहेंगे जो सोमवार को सबसे ज्यादा खुश होता है, तो उत्तर होगा रिटायर्ड व्यक्ति को सुबह जल्दी उठने की टैंशन नहीं होती। 2. इसी तरह न कार्यालय में देरी से पहुंचने की परेशानी। न बायोमेट्रिक्स पंच की चिंता और न ही बॉस की डांट का डर। जिस व्यक्ति को सर्विस के दौरान अपनी शादी हेतु तीन दिन की छुट्टी के लिए गिड़गिड़ाना पड़ा हो, वह अब किसी की शादी, सगाई, धाम, व्रत उद्यापन या मुंडन संस्कार में भी बेझिझक शामिल हो सकता है। 3. जब तक हम सर्विस में होते हैं तो इनसान के पास सब कुछ होता है जैसे सरकारी मकान, गाड़ी, सुख-सुविधाएं, सैलरी तथा रुतबा। बस समय नहीं होता। और रिटायरमेंट के बाद सिवाय समय के और कुछ नहीं होता। इसलिए समय के सदुपयोग का यह सुअवसर एक लंबे काल खंड उपरांत मिलता है। 4. सेवानिवृत्ति का सबसे बड़ा फायदा यह है कि सेवानिवृत्त व्यक्ति का विटामिन 'डी' कभी कम नहीं हो सकता, क्योंकि सूर्य के पूर्व में उदय होने से लेकर पश्चिम में अस्त होने तक की धूप का आनंद केवल रिटायर्ड इनसान ही लेता है। इसलिए जीवन के इस महत्वपूर्ण समय का आनंद लीजिए। अपनी दिनचर्या अपने हिसाब से तय करें, क्योंकि अपनी जिंदगी के बॉस अब आप स्वयं हैं। उम्र के हिसाब से आचरण करते हुए अब भी लक्ष्य निर्धारित किए जा सकते हैं। हां, भावनाओं पर नियंत्रण आवश्यक है। इतना जरूर याद रखना होगा कि अब हम वरिष्ठ नागरिकों की श्रेणी में हैं। फिर भी 'इश्क होने लगे तो पूजा-पाठ कर लिया करो दोस्तो, मोहब्बत होगी तो मिल जाएगी, बला होगी तो टल जाएगी।' मेरे जो साथी रिटायरमेंट के बाद भी उपरोक्त परिवर्तनों से परे हैं या जिन पर यह लेख लागू नहीं होता, वे बधाई के पात्र हैं। जिंदगी में बहुत से फिक्र हैं। लेकिन खुशी तो छोटी-छोटी बातों में ढूंढनी पड़ेगी। स्वयं को खुश रखें, हंसते रहें, हंसाते रहें। क्योंकि जब आप हंसेंगे, जमाना आप के साथ हंसेगा, लेकिन जब रोयेंगे तो कोई रोने नहीं आएगा। किसी शायर ने क्या खूब कहा है कि : 'चिंता इतनी कीजिए कि काम हो जाए, पर इतनी नहीं कि जिंदगी तमाम हो जाए, सबको मालूम है कि जिंदगी बेहाल है, लोग फिर भी पूछते हैं, और सुनाओ क्या हाल है।' बहरहाल, सेवानिवृत्ति का आनंद लीजिए।

आप का नजरीया

राष्ट्रीय प्रेस दिवस...

लोक सम्पर्क विभाग द्वारा फाईव स्टार होटेल में आयोजित किए जाने वाले लंच के साथ राष्ट्रीय प्रेस डे में शामिल होने का निमंत्रण मिलते ही झुन्नू लाल की बांछें खिल उठीं। वह अपने पत्रकार होने पर इतराने लगे। कितने सम्मान की बात है कि वह राज्य स्तरीय मान्यता पत्रकार हैं। यह बात अलग है कि संस्थान से उन्हें नाम मात्र वेतन ही मिलता है। पत्नी सरकारी नौकर न होतीं, तो घर का ख़र्च चलाना मुश्किल हो जाता। वह अन्य पत्रकारों की तरह नहीं कि सचिवालय और लोक सम्पर्क विभाग के चक्कर काटें या निजी संस्थानों से विज्ञापन इक्\` करें। हां, सरकारी विभागों से जो विज्ञापन स्वयं आ जाते हैं, उनसे कुछ कमीशन अवश्य मिल जाती है। झुन्नू लाल ने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लोक सम्पर्क विभाग द्वारा की गई व्यवस्था के बारे में जानने के लिए फोन किया तो पीआरओ ने बताया कि अगर वह चाहें तो उन्हें घर से उठाया जा सकता है। घर से उठाने की बात सुनते ही पहले तो झुन्नू ख़ूब हंसे। फिर संजीदा होकर उसके अर्थ पर विचार करने लगे। घर से उठाने का मतलब। पर अब सचमुच माहौल ही ऐसा है कि सत्ता से आम आदमी या व्यवस्था से जुड़े सवाल उठाए जाने पर किसी पत्रकार या सामाजिक कार्यकर्ता को कभी भी उठाया जा सकता है। उसके खिलाफ थाने में एफआईआर दजर्.करवाई जा सकती है। उसकी हत्या करवाई जा सकती है। असामाजिक तत्व और सत्ता तराजू के एक ही पलड़े में बैठ कर ऐसे हरिश्चंद्रों का हिसाब-किताब करने में देर नहीं लगाते। उनके दिमाग़ में गौरी लंकेश, दाभोलकर, सिद्दीकी कप्पन, ज़ेवियर जैसे कितने ही नाम कौंध गए। वह सोचने लगे कि ऐसे माहौल में अब नेशनल प्रेस डे मनाने का क्या औचित्य? जहां कलम पर इतनी बंदिशें हैं कि कुछ लिखो तो पहले मार्केटिंग वाले चैक करते हैं कि कहीं लिखा हुआ सरकार और विज्ञापनदाताओं के हितों के खिलाफ तो नहीं। कुछ साल पहले तक वह आए दिन कोई न कोई स्कूप निकाल लेते थे। लेकिन अब स्कूप क्या, अगर कोई ढंग की स्टोरी भी करनी हो तो इतनी मुश्किलें हैं। अगर इससे बच भी गए तो दूसरे दिन सरकारी सलाहकार और विभाग धमकाने लगते हैं। विज्ञापन रुक जाता है। ख़बरें छपना बंद हो जाती हैं। वह सोचने लगे कि जब समूचे विश्व के लोकतंत्रों में निर्वाचित नेताओं द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता और उसके मौलिक अधिकार पर हमला हो रहा है, ऐसे में उनके पास मूंगफली बेचने के अलावा क्या विकल्प बचता है? सरकार मानती है कि उसे उसके किसी भी क़दम के लिए जवाबदेह ठहराना प्रेस की ज़िम्मेदारी नहीं। मीडिया सरकार के तलवे चाटने में व्यस्त है। इस पर भी तुर्रा यह कि सरकार को प्रेस बताती है कि उसे किस प्रकार और कैसी कवरेज करनी चाहिए। विरोध करने वाले पत्रकारों को डराया जाता है। उन्हें लगा कि अब प्रेस मिशन नहीं बिजनेस हो चुका है और बिजनेस में समाज का नहीं अपना हित साधा जाता है। पर आम आदमी कहां जाए? यह सोचते ही उनके चेहरे पर तिरछी मुस्कान फैल गई। वह सोचने लगे कि अगर दिमाग़ का फितूर न हो तो वह भी तो आम आदमी हैं।

मेडिकल कॉलेज अग्निकांड : चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक का बड़ा बयान, शॉर्ट सर्किट से लगी आग

-12 साल से केबिल न बदले जाने के प्रश्न पर साधी चुप्पी, कहा विद्युत विभाग जांच कर रहा

झांसी, (हि.स.)। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू में शुक्रवार की देर रात लगी आग के मामले में घटना की विशेष जांच को चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक की अगुवाई में एक उच्चस्तरीय कमेटी सोमवार को मेडिकल कॉलेज पहुंची। टीम ने पूरे दिन विभिन्न बिंदुओं पर जांच की। यही नहीं मृतकों के परिजनों, चिकित्सकों व नर्सिंग स्टाफ तक के बयान दर्ज किए गए। इस बीच चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट से ही लगी थी। आग लगने पर अलार्म भी बजा था। तभी इतने बच्चों की जान बचाई जा सकी। मेडिकल कॉलेज अग्निकांड की जांच करने के लिए लखनऊ से झांसी पहुंची स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित टीम की अध्यक्ष चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह और अग्नि शमन विभाग के अधिकारी, बिजली विभाग के अधिकारी व डीजी हेल्थ ने पूरे दिन जांच की। हर बिंदु पर जांच करते हुए मृत नवजातों के परिजनों, जूनियर डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ से वार्ता कर उनके बयान दर्ज किए। मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने बताया कि घटना का कारण शॉर्ट सर्किट ही पाया गया है।

उन्होंने बताया कि आग लगने पर अलार्म भी बजा था। इसकी पुष्टि मृत नवजातों के परिजनों ने भी अपने बयानों में की है। जूनियर डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ ने भी यही बताया है। जिन खिड़कियों को तोड़कर सेवा भारती व अन्य चिकित्सकों ने बच्चों को निकाला उन्हें, आपातकालीन खिड़की बताया। एक ही निकास द्वार के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि एक नहीं दो निकास हैं। 12 वर्षों से केबिल न बदले जाने और लोड बढ़ाए जाने के सवाल के जबाब में उन्होंने बताया कि विद्युत विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं। शिशुओं की भर्ती क्षमता पर उन्होंने बताया कि 18 बैड हैं। लेकिन मेडिकल कॉलेज चाहता है कि अधिक से अधिक बच्चों की जान बचाई जा सके। उन्होंने बताया कि अभी जांच पूरी होने तक टीम यहीं रहेगी। आज फिर से घटना स्थल का दौरा करते हुए मैप आदि बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 7 दिनों में टीम अपनी विस्तृत रिपोर्ट शासन को सौंपेगी। हालांकि समयावधि बीतने वाले अग्निशमन यंत्र और तमाम अव्यवस्थाओं के प्रश्नों के जवाब अब भी अधूरे हैं।

अंत्योदय से सर्वोदय व राष्ट्रीय एकता और सुशासन को समर्पित होगा वर्ष 2025 : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भावी कार्यक्रमों पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगामी वर्ष 2025 अत्यंत महत्वपूर्ण होने जा रहा है। यह वर्ष धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जाना है, तो यह लौहपुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती का भी वर्ष है। एक ओर जहां हम संविधान अंगीकार करने का अमृत महोत्सव मनाएंगे, वहीं लोकतंत्र की हत्या 'आपातकाल' के 50 वर्ष पूरे होने पर लोगों को जागरूक भी किया जाना है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती भी इसी वर्ष मनाई जाएगी। 2025 का यह वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल जी की जन्मशताब्दी वर्ष है तो इसी वर्ष हमें जीरो पॉवर्टी का लक्ष्य भी पूरा करना है। यह पूरा वर्ष अंत्योदय से सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और सुशासन की परिकल्पना को समर्पित होगा। इनके दृष्टिगत पूरे वर्ष आयोजन किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि 26 दिसंबर से प्रारंभ हो रहे 'संविधान के अमृत महोत्सव वर्ष' की शुरूआत पर राजधानी लखनऊ में शासन स्तर के साथ-साथ सभी सरकारी संस्थानों, विभागों, कार्यालयों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों में संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली जानी चाहिए। स्कूल, कॉलेजों में निबंध और डिबेट आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। संसदीय कार्य विभाग इसका नोडल विभाग होगा। पूरे वर्ष होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना यथाशीघ्र जारी कर दी जाए। प्रयागराज महाकुम्भ में पूरी दुनिया से लोगों का आगमन होगा। यह दुनिया के लिए भारत को जानने, समझने का सु-अवसर है। महाकुम्भ में भारतीय

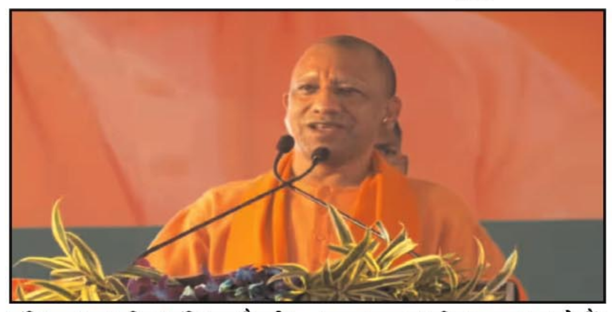

संविधान पराधारित 'संविधान गैलरी' तैयार कराई जाए। यहां संविधान सभा के गठन चर्चा-परिचर्चा, संविधान के बनने की पूरी प्रक्रिया को ऑडियो-विजुअल माध्यम से प्रदर्शित किया जाए। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार जनजातीय समाज की संस्कृति के संरक्षण और जनजातीय समाज के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। बलरामपुर के इमिलिया कोडर में जनजातीय संग्रहालय भी स्थापित किया गया है, जबकि दो और संग्रहालय भारत सरकार द्वारा स्थापित कराए जा रहे हैं। महाकुम्भ में भगवान बिरसा मुंडा पर और प्रदेश की जनजातीय संस्कृति, सरकार के प्रयासों पर केंद्रित विशेष गैलरी बनाया जाए।

अटल जी की जन्मशताब्दी के अवसर पर विश्वविद्यालयों में अटल शोध पीठ तथा सुशासन पीठ की स्थापना कराई जानी चाहिए। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इसमें आवश्यक कार्यवाही की जाए। इसी प्रकार, सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष में राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करते हुए पूरे वर्ष विविध कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाना चाहिए। गृह विभाग इसका नोडल विभाग होगा। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती को पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर मनाया जाना चाहिए। आक्रांताओं के कालखण्ड में किस प्रकार अहिल्याबाई जी ने भारतीय सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवन दिया इससे नई पीढ़ी को परिचित कराया जाना चाहिए। अहिल्याबाई जी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर स्कूल कॉलेजों में निबन्ध, डिबेट और सेमिनार का आयोजन किया जाए। 'लोकतंत्र की हत्या' आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लोगों को अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से इसकी विभीषिका से नई पीढ़ी को परिचित कराया जाना चाहिए। इस दौरान लोकतंत्र रक्षक सेनानियों का सम्मेलन कराया जाना चाहिए। इस संबंध में सूचना विभाग द्वारा आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए।

देश को उत्तर प्रदेश से मिलेगी पहली नाइट सफारी

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तय किया है कि दिसंबर 2026 में उत्तर प्रदेश देश को पहली नाइट सफारी का उपहार देगा। राजधानी लखनऊ में विकसित की जा रही यह नाइट सफारी देश और दुनिया के प्रकृति प्रेमियों के लिए एक नया रोमांचक केन्द्र होगा। यह दुनिया की पांचवीं नाइट सफारी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर सम्पन्न एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रस्तावित कुकरैल नाइट सफारी पार्क एवं वन्य जीव केन्द्र (जू) की योजना की समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों लक्ष्य तय करते हुए कहा कि इसका निर्माण कार्य हर हाल में जून, 2026 तक पूरा कर लिया जाए। नाइट सफारी व जू के लिए वन्य जीवों के लाने की समुचित व्यवस्था प्रारंभ कर दी जाए। नाइट सफारी व चिड़ियाघर (जू) की आर्थिक व्यवस्था के लिए सस्टेनेबल मॉडल विकसित किया जाए। साथ ही 72 फीसदी एरिया में ग्रीनरी विकसित की जाए और यहां सौर ऊर्जा के प्रकल्पों को भी स्थान दिया जाए।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है नाइट सफारी - मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नाइट सफारी प्रोजेक्ट राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसके निर्माण के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से अनुमति प्राप्त हो गई है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में दिसंबर 2026 में देश को पहली नाइट सफारी का उपहार मिल जाएगा। नाइट व डे सफारी का निर्माण चरणबद्ध रूप से होगा। लखनऊ में यह लगभग 900 एकड़ से अधिक में फैली होगी।

विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करेगी सफारी - मुख्यमंत्री ने कहा कि कुकरैल नाइट सफारी का निर्माण हो जाने के पश्चात यह परियोजना अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर आ जाने के फलस्वरूप विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करेगी।

कुकरैल नाइट सफारी परियोजना को लखनऊ स्थित अन्य पर्यटन स्थलों से भी जोड़ा जाएगा। नाइट सफारी के 72 फीसदी एरिया को ग्रीनरी में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जानवरों को चिह्नित करने, यहां लाने व क्वारंटीन की प्रक्रिया भी चरणबद्ध तरीके से प्रारंभ कर दी जाएगी।

मतदान के लिए मतदाता फोटो पहचान पत्र के साथ अन्य 12 विकल्प

मुरादाबाद, (हि.स.)। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी अनुज सिंह ने मंगलवार को बताया कि 20 नवंबर को कुंदरकी उपचुनाव के मतदान के समय मतदाता को अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। पहचान पत्र नहीं होने पर 12 विकल्प मतदाताओं के पास होंगे। जिलाधिकारी ने आगे बताया कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार मतदाता आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों या डाकघरों की तरफ से जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, डीएल, पैनकार्ड, एनपीआर के तहत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकार, लोक उपक्रम, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान-पत्र, सांसदों या विधायकों, एमएलसी द्वारा जारी सरकारी पहचान पत्र, यूनिक डिएसबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार दस्तावेजों में कोई कोई एक प्रस्तुत किया जा सकता है।

एनजीटी के सवाल के बहाने सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा

वाराणसी, (हि.स.)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने असि और वरुणा नदी की दुर्दशा पर वाराणसी के जिलाधिकारी को कड़ी फटकार लगाई है। इसको लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर लिखा कि जिन्होंने माँ गंगा से झूठ बोला, उनके वादों पर न जाएं। नमामि गंगे व स्वच्छ गंगा के नाम पर भाजपा सरकार में पिछले 10 वर्षों में अरबों रुपयों के फंड निकाले तो गये पर वो फंड माँ गंगा के घाट तक नहीं पहुँचे। उन्होंने लिखा कि फाइलों में गंगा जी के स्वच्छ, अविरल, निर्मल होने के दावों का सच ये है कि वाराणसी में माँ गंगा इतनी दूषित हो चुकी हैं कि पीने योग्य तो छोड़िए, ये जल नहान-स्नान के लायक भी नहीं है। इसी संदर्भ में नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल ने देश के प्रधान संसदीय क्षेत्र वाराणसी के ज़िलाधिकारी महोदय से ये पूछकर सारा सच स्पष्ट कर दिया है कि क्या आप गंगाजल पी सकते हैं? साथ ही नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल की ये सलाह भी डबल इंजन की सरकार के लिए चुल्लू भर पानी में डूबने के बराबर है कि उनके राज में तथाकथित क्योटो अर्थात काशी के डीएम साहब अपनी पॉवर का इस्तेमाल करते हुए गंगा किनारे एक चेतावनी भरा बोर्ड लगवा दें कि ये गंगा जल पीने-नहाने योग्य नहीं है। गौरतलब हो कि बीते सोमवार को दो याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए एनजीटी की दो सदस्यीय पीठ ने वाराणसी के जिलाधिकारी से पूछा कि क्या आप गंगा का पानी पी सकते हैं? आप अपने आपको असहाय मत महसूस करिए। जिलाधिकारी हैं आप, अपनी शक्तियों का उपयोग करिए और एनजीटी के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करिए। नदी किनारे बोर्ड लगवा दीजिए कि गंगा जल नहाने और पीने योग्य नहीं है। जस्टिस अरुण कुमार त्यागी व विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल ने असि और वरुणा नदी मामले की सुनवाई करते हुए तल्ख टिप्पणी भी की। न्यायमूर्ति ने कहा कि क्यों नहीं बोर्ड लगा देते हैं कि गंगा का पानी नहाने व पीने योग्य नहीं है?। आप लोग अपनी सुविधा के मुताबिक काम करते हैं।

रामगढ़ विधानसभा में चुनाव कराने ईवीएम के साथ रवाना हुई पोलिंग पार्टी, डीसी ने दिया निर्देश

रामगढ़, (हि.स.)। रामगढ़ कॉलेज में बनाए गए कंट्रोल रूम से मंगलवार को रामगढ़ विधानसभा के 406 बूथों के लिए पोलिंग पार्टी को ईवीएम के साथ रवाना किया गया। डीसी चंदन कुमार ने पोलिंग पार्टी को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण रूप से चुनाव कराने का निर्देश दिया। साथ ही मतदान केंद्र पर ईवीएम और वीवीपैट के सही इस्तेमाल करने का भी निर्देश दिया। डीसी ने बताया कि सभी प्रेसाईडिंग ऑफिसर और पोलिंग पार्टी को ईवीएम और वीवीपैट का प्रशिक्षण दिया गया है। उसे प्रशिक्षण के मुताबिक भी सारे कार्य करने का निर्देश दिया। डीसी ने बताया कि डिस्पैच सेंटर से पोलिंग पार्टी को सीधे बूथ पर भेजा जा रहा है। सभी गाड़ियों की जीपीएस से ट्रैकिंग की जा रही है। मतदान केंद्र और पोलिंग पार्टी की सुरक्षा के पुख्ता का इंतजाम किए गए हैं। डीसी चंदन कुमार, एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, डीडीसी रोबिन टोप्पो एवं अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में मतदान कर्मियों को मतदान सामग्री के साथ रवाना किया जा रहा है। डीसी ने बताया कि रामगढ़ विधानसभा में 406 बूथों पर चुनाव होना है। पोलिंग पार्टी को सुबह 5:00 बजे मॉक पोल करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही ठीक 7:00 बजे मतदान की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया है। मतदान केंद्र में पोलिंग की प्रक्रिया में देरी न हो इसके लिए पोलिंग पार्टी को पूरी जानकारी दे दी गई है।

8 महिला बूथ पर रहेगी सिर्फ महिलाएं - रामगढ़ विधानसभा में 8 महिला बूथ बनाए गए हैं। जिसमें, बूथ संख्या 17, 87, 94, 98, 105, 160, 194 और 308 शामिल हैं। इन सभी बूथ पर महिला कर्मचारियों को लगाया गया है। रामगढ़ विधानसभा में 3,56,993 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1,81,145 पुरुष मतदाता है और 1,75,848 महिला मतदाता है।

रांची नगर निगम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में चलाया जांच अभियान

रांची, (हि.स.)। अपर प्रशासक फिलवियुस बारला के नेतृत्व में मंगलवार को निगम के राजस्व शाखा के पदाधिकारियों और कर्मियों की एक टीम के साथ निगम क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों में होल्डिंग टैक्स, ट्रेड लाइसेंस, जल कर की जांच की गई। इस दौरान मुख्य रूप से गोपाल कॉम्प्लेक्स, श्रद्धानंद रोड, अपर बाजार, कचहरी रोड स्थित विभिन्न घरों और प्रतिष्ठानों में जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान के क्रम में जिन भवनों में होल्डिंग टैक्स काफी समय से बकाया पाया गया, उन्हें जल्द से जल्द कमर्शियल होल्डिंग कराते हुए कर का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिन प्रतिष्ठानों में ट्रेड लाइसेंस की वैधता समाप्त पाई गई, उन्हें भी जल्द रिनुअल करने का निर्देश दिया गया। जल कर के जांच के क्रम में कई एक ऐसे निजी भवन पाए गए, जहां मीटर में जीरो रीडिंग प्रदर्शित हो रही है। इसके बाद अपर प्रशासक ने राजस्व शाखा के कर संग्रहकर्ता और पीएमसी के प्रतिनिधियो को एक टीम गठित करते हुए ऐसे भवनों को जांच करने का निर्देश दिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए इसे ठीक करने का निर्देश दिया। मौके पर अपर प्रशासक ने बताया कि निगम क्षेत्र के सभी निजी सरकारी भवन, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को अपने कर का भुगतान ससमय करना तथा शहर के सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के लिए ट्रेड लाइसेंस लेना अनिवार्य है। उन्होंने टीम को निर्देश दिया कि जो प्रतिष्ठान बिना ट्रेड लाइसेंस के निगम क्षेत्र के लिए व्यवसाय कर रहे हैं, उन्हें चिह्नित करते हुए प्रतिष्ठान को सील करने की कार्रवाई करें। साथ ही उन्होंने निगम की टीम को पूरे माह लागतार जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। इस मौके पर उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक चंद्रदीप कुमार, नगर प्रबंधक, पीएमसी के प्रतिनिधि, राजस्व शाखा के कर संग्रहकर्ता सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

धनबाद के जोगता में भू-धंसान, आधा घर जमीन में समाया

धनबाद, (हि.स.)। धनबाद के जोगता 11 नंबर में मंगलवार सुबह एक बार फिर से भू-धसान हुआ है। इस धसान में एक व्यक्ति का आधा घर जमींदोज हो गया है। साथ ही भू-धसान स्थल से काफी मात्रा में जहरीले गैस का रिसाव हो रहा है। गैस रिसाव की वजह से आस-पास के लोगों को सांस लेने में भी काफी परेशानी हो रही है। बताया जा रहा है कि आज अहले सुबह जोरदार आवाज के साथ यहां जमीन धंस गई। इसमें ब्रह्मदेव सिंह चौहान के घर का आधा हिस्सा धरती में समा गया। ब्रह्मदेव परिवार के साथ कुछ दिनों से बिहार के गया स्थित पैतृक गांव में हैं। गनीमत रही कि उनका परिवार घर में नहीं था। लोगों ने कहा कि ब्रह्मदेव के आने के बाद ही पता चल पाएगा कि इस भू-धंसान में कितने का नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय कोलियरी प्रबंधक दे दी है लेकिन अभी तक मौके पर कोई भी अधिकारी नहीं पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि यह इलाका आग से प्रभावित है। इसलिए यहां पर आए दिन भू-धंसान की घटना होती रहती है। कुछ दिन पूर्व भी इस जगह पर भू-धंसान की घटना हुई थी, जिसे बीसीसीएल प्रबंधन ने डोजरिंग करा दिया था। एक बार फिर से यहां हुए भू-धंसान ने लोगों में भय पैदा कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह इलाका अग्नि प्रभावित क्षेत्र होने की वजह से यहां के लोग लंबे समय से विस्थापन की मांग कर रहे हैं लेकिन बीसीसीएल प्रबंधन की उदासीनता के कारण स्थानीय लोगों का विस्थापन नहीं हो पा रहा है। इससे यहां के लोगों पर लगातार खतरा बना हुआ है।

राजद नेता राजेश यादव के निधन पर भोला यादव समेत अन्य पार्टी नेताओं ने जताई संवेदना

रांची , (हि.स.)। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व विधायक भोला यादव ने राष्ट्रीय जनता दल के झारखण्ड प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यादव जी लगातार गरीबों, दलितों एवं शोषितों के उत्थान के लिए कार्य करते रहे हैं। वे लगातार झारखंड राजद के विस्तार के लिए कार्य करते रहे। वे मृदुभाषी, हाजिर जवाबी और मिलनसार व्यक्ति थे। उनके निधन से हम लोगों ने एक सच्चा समाजसेवी खो दिया है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके आत्मा को ईश्वर चिर शांति प्रदान करें एवं उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। इनके आकस्मिक निधन पर प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव, प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव, झारखंड सरकार के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, पूर्व अध्यक्ष गौतम सागर राणा, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष सुरेश पासवान, सुभाष प्रसाद यादव, मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, आबिद अली, प्रणव कुमार बबलू सहित अन्य नेताओं ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने एक अच्छा नेता खो दिया, जो अत्यंत दुखद। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को और चाहने वालों को दुख सहने की शक्ति दें।

खूंटी में अधिकारियों-कर्मचारियों को मतगणना का प्रशिक्षण

खूंटी, (हि.स.)। लॉयला इंटर कॉलेज खूंटी में मंगलवार को प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। विधानसभा निर्वाचन-2024 के तहत खूंटी और तोरपा विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान के पश्चात 23 नवम्बर को होने वाली मतगणना को लेकर इवीएम और पोस्टल बैलेट के लिए प्रतिनियुक्त काउंटिंग असिस्टेंट, काउंटिंग सुपरवाइजर और काउंटिंग माइक्रो आब्जर्वर को गहन प्रशिक्षण दिया गया। तीन घंटे तक चले सत्र में मास्टर ट्रेनर ने मतगणना प्रक्रिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना को लेकर जारी सभी एसओपी के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम और परियोजना निदेशक आइटीडीए आलोक शिकारी कच्छप मुख्य रूप से उपस्थित थे। इन पदाधिकारियों ने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मियों को 23 नवंबर को होने वाली मतगणना के दिन ससमय मतगणना केंद्र पर उपस्थित होने एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी एसओपी का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पूरे उत्तरदायित्व एवं ईमानदारी पूर्वक मतगणना कार्य संपन्न कराने का निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा गया कि मतदान की काउंटिंग प्रक्रिया को सुगम, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि 13 नवंबर को खूंटी और तोरपा विधानसभा क्षेत्र में हुए मतदान के पश्चात बिरसा कॉलेज खूंटी में बने स्ट्रांग रूम में सुरक्षित इवीएम एवं पोस्टल बैलेट को रखा गया है। 23 नवंबर को मतगणना की तिथि निर्धारित है। जिला निर्वाचन कोषांग की ओर से बिरसा कॉलेज में मतगणना को लेकर सभी तैयारियां कर ली गई हैं। खूंटी एवं तोरपा विधानसभा क्षेत्र की मतगणना के लिए 20-20 टेबल इवीएम के लिए और 11-11 टेबल पोस्टल बैलेट के लिए लगाये गये हैं। तोरपा विधानसभा क्षेत्र की मतगणना 13 राउंड में और खूंटी विधानसभा क्षेत्र की मतगणना 15 राउंड में होगी।

बिहार सरकार ने स्कूली शिक्षकों के स्थानांतरण-पदस्थापन की प्रक्रिया पर लगाई रोक

पटना, (हि.स.)। बिहार सरकार ने स्कूली शिक्षकों के स्थानांतरण-पदस्थापन की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया है। बिहार सरकार का यह फैसला हाई कोर्ट की रोक के तुरंत बाद आया है। हालांकि, सरकार ने सक्षमता परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों के लिए नयी व्यवस्था करने का फैसला लिया है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने हाई कोर्ट के फैसले के बाद पत्रकार वार्ता में कहा कि हमने अभी हाई कोर्ट का फैसला नहीं देखा है लेकिन सरकार ने अपने स्तर से फैसला लिया कि तत्काल शिक्षकों के स्थानांतरण-पदस्थापन को रोक दिया जाये। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार स्थानांतरण-पदस्थापन के नियमों में कुछ बदलाव भी करने जा रही है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि सरकार पहले से ही स्थानांतरण-पदस्थापन की नयी नीति को बदलने पर विचार कर रही थी। ऐसे में सरकार ने तत्काल स्थानांतरण-पदस्थापन की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया है। मंत्री ने कहा है कि नयी नीति में नियोजित शिक्षकों के ट्रांसफर का प्रावधान नहीं है लेकिन राज्य सरकार ने नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा के जरिये उन्हें राज्यकर्मी बनने का मौका दिया है। सक्षमता परीक्षा के दो चरण हुए हैं लेकिन अभी लाखों शिक्षक इस परीक्षा में शामिल नहीं हुए हैं।

मंत्री ने कहा कि नियोजित शिक्षकों को भी सक्षमता परीक्षा पास कर स्थानांतरण-पदस्थापन का मौका मिलना चाहिये। सरकार ने इस बिन्दु पर भी विचार किया है। तभी स्थानांतरण-पदस्थापन की प्रक्रिया को रोक दिया गया है। शिक्षकों की स्थानांतरण नीति को लेकर शिक्षक संगठनों ने भी कई सुझाव दिये हैं। उन पर भी विचार किया जा रहा है। सारे बिन्दुओं पर विचार करने के बाद स्थानांतरण पॉलिसी में बदलाव किया जायेगा। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि पहले से ही तय था कि सक्षमता परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों को 20 नवम्बर को नियुक्ति पत्र बांटा जायेगा। ये कार्यक्रम होगा। पटना के अधिवेशन भवन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सक्षमता परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों को नियुक्त पत्र देंगे। जिलों में भी कार्यक्रम कर उन्हें नियुक्ति पत्र बांटा जायेगा।

शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि सरकार वैसे एक लाख 14 हजार नियोजित शिक्षको को नियुक्ति पत्र देगी, जो सक्षमता परीक्षा पास करने के बाद काउंसलिंग में शामिल हो चुके हैं। सरकार ने ये नियम बना रखा है कि सक्षमता परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों को पहले के स्कूल में नहीं रखा जायेगा, उन्हें दूसरे स्कूल में ट्रांसफर किया जायेगा। उन्हें भी स्थानांतरण-पदस्थापनकी प्रक्रिया में आवेदन करने को कहा गया था। लेकिन सरकार ने अब ट्रांसफर की पूरी प्रक्रिया ही रोक दी है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने सक्षमता परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों की पोस्टिंग को लेकर बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सक्षमता परीक्षा पास करने वाले जिन शिक्षकों को 20 नवम्बर को नियुक्ति पत्र दिया जायेगा। उन्हें उसी स्कूल में ज्वाइनिंग देनी होगी, जहां वे पहले से काम कर रहे थे यानी जब तक ट्रांसफर पोस्टिंग की प्रक्रिया फिर से पूरी नहीं होगी तब तक सक्षमता परीक्षा पास शिक्षक पुराने स्कूल में ही बने रहेंगे।

पटना हाई कोर्ट ने शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर लगाई रोक

पटना, (हि.स.)। बिहार में पटना हाई कोर्ट ने बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक लगा दी है। जस्टिस प्रभात कुमार सिंह की कोर्ट ने आज ट्रांसफर-पोस्टिंग नीति के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की और सरकार के इस फैसले पर फिलहाल रोक लगा दिया। हाई कोर्ट के इस निर्णय के बाद ट्रांसफर का इंतजार कर रहे बिहार के लाखों शिक्षकों के साथ राज्य सरकार को भी बड़ा झटका लगा है। वरीय अधिवक्ता ललित किशोर ने हाई कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार ने शिक्षकों को निर्देश दिया था कि वे 22 नवम्बर तक स्थानांतरण व पदस्थापन के लिए विकल्प दे दें। राज्य सरकार ने कहा कि यदि शिक्षक इस तारीख तक विकल्प नहीं देंगे, तो राज्य सरकार अपने स्तर पर स्थानांतरण व पदस्थापन का निर्णय ले लेगी। अधिवक्ता ललित किशोर ने बताया कि विभाग ने पुरुष शिक्षकों को दस सब डिवीजन और महिला शिक्षकों को दस पंचायतों का विकल्प दिया था। उन्होंने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार द्वारा मनमाने ढंग से विकल्प देने की बात कही गयी है। उन्होंने बताया कि 2023 के नियमों के अनुसार पुरुष व महिला शिक्षकों को तीन जिलों का विकल्प दिया गया था जबकि इस नये नियम में पुरुष शिक्षकों को दस सब डिवीजन व महिला शिक्षकों को दस पंचायतों का विकल्प दिया गया है, जो पूर्व के नियम के विरुद्ध है। इस मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी। बिहार सरकार भले दावा कर रही हो कि शिक्षा विभाग में शिक्षकों की ट्रांसफर नीति अब पूरी तरह से दोष मुक्त हो चुकी है लेकिन राज्य के शिक्षक इसे गुमराह करने की चाल मान रहे थे। शिक्षक संगठनों का कहना है कि ट्रांसफर-पोस्टिंग की जो नियमावली दी गई और ट्रांसफर-पोस्टिंग की जो प्रक्रिया एप्लीकेशन पर हो रही है, उसमें बहुत अंतर है। इसलिए शिक्षक संघ के पास स्थानांतरण नीति के विरुद्ध न्यायालय जाने के कोई चारा नहीं था। हाई कोर्ट ने दलील सुनने के बाद फैसला सुनाया है।

मेटा ने सीसीआई के फैसले से जताई असहमति, कहा–आगे अपील की योजना

नई दिल्ली

सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने मंगलवार को कहा कि वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के उस पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के फैसले से सहमत नहीं है। कंपनी ने कहा कि वो, इसके खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है।

मेटा के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि कंपनी सीसीआई के फैसले के खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि अपडेट वैकल्पिक और पारदर्शी दोनों था। मेटा ने व्हाट्स ऐप की 2021 की गोपनीयता नीति अपडेट से जुड़ी कथित प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं पर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के उसके ऊपर 213.14 करोड़ रुपये के जुर्माने को चुनौती देने की अपनी मंशा की घोषणा की है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सोमवार को सोशल मीडिया कंपनी मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। ये जुर्माना 2021 में व्हॉट्स ऐप की निजता नीति अद्यतन के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों को अपनाने के लिए लगाया गया। सीसीआई ने व्हॉट्स ऐप से कहा कि वह मेटा के स्वामित्व वाले अन्य एप्लिकेशन के साथ विज्ञापन उद्देश्यों के लिए पांच साल की अवधि के लिए उपयोगकर्ता डेटा साझा न करे उल्लेखनीय है कि मेटा प्लेटफॉर्म्स, इंक एक सोशल मीडिया कंपनी है, जो मेटा के नाम से अपना बिजनेस करता है। यह एक अमेरिकी मल्टीनेशिनल टेक्नोलॉजी ग्रुप है। इसको पहले फेसबुक, इंक. और फेसबुक डॉट कॉम इंक के नाम से जाना जाता था। इसका मुख्यालय मेनलो पार्क, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है। 31 दिसंबर, 2021 तक के प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक मेटा ने करीब 118 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व उत्पन्न किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

रुपया 84.07 पर खुला

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 84.07 पर खुला। इससे पहले सोमवार को रुपया पांच पैसे की बढ़त पर बंद हआ। गत दिवस सुबह विदेशी पूंजी की निकासी के बाद भी रुपया 84.38 प्रति डॉलर पहुंच गया था। यह निम्नतम स्तर से ऊपर उठकर आठ पैसे की बढ़ोतरी दिखाता है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने बताया कि तेल की कीमतों में गिरावट के कारण ही मुद्रा में सुधार आया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपया 84.42 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 84.38 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इस बढ़ोतरी के बावजूद रुपया गुरुवार को 84.46 पर बंद हुआ था। वहीं अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 106.68 पर रुका। विदेशी संस्थागत निवेशक एफआईआई ने गुरुवार को 1,849.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जो दिखाता है कि वे बाजार में बिकवाल रहे। विदेशी मुद्रा बाजार में निर्धारित संबंधों के बावजूद, रुपया ने एक मजबूत प्रदर्शन किया और अमेरिकी डॉलर को मुकाबले काफी मजबूती दिखाई ।

साल 2031 तक 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली । रेटिंग एजेंसी क्रिसिल द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2031 तक 7 ट्रिलियन डॉलर के आकार तक पहुंचने की उम्मीद है। इस ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान देश की जीडीपी की औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि, वित्त वर्ष 2025 से लेकर 2031 तक की वार्षिक वृद्धि दर महामारी से पहले के दशक की औसत वृद्धि दर (6.6 प्रतिशत) के आसपास होगी। इस विकास को मुख्य रूप से पूंजीगत खर्च और उत्पादकता में सुधार से प्रेरित बताया गया है। 2023–24 के चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी विकास दर 6.8 प्रतिशत तक रहने की संभावना है, जिसका कारण उच्च ब्याज दरें और सख्त लेंडिंग नियम हैं, जिससे शहरी मांग पर असर पड़ा है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे को कम करने के प्रयासों का प्रभाव अर्थव्यवस्था के विकास पर देखने को मिलेगा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 2024–25 में औसत 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के 5.4 प्रतिशत से कम होगी। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि मौसम की स्थिति और भू–राजनीतिक अनिश्चितताएं विकास और महंगाई के लिए महत्वपूर्ण जोखिम हैं। इस वर्ष खरीफ की बुआई अधिक हुई है, लेकिन बेमौसम बारिश और अन्य मौसम संबंधित प्रभावों को लेकर सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि भू–राजनीतिक तनाव के कारण आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो सकती हैं, व्यापार में विघ्न आ सकता है और तेल की कीमतों में वृद्धि हो सकती है, जो महंगाई और इनपुट लागत को प्रभावित कर सकती है।

वार्डविजार्ड को इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर निर्यात का बड़ा ऑर्डर मिला

नई दिल्ली । वार्डविजार्ड इनोवेशन्स एंड मोबिलिटी कंपनी को फिलीपींस से इलेक्ट्रिक थ्री–व्हीलर निर्यात का बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी को यह ऑर्डर बेलुआ इंटरनेशनल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन से मिला है। इसके तहत, वार्डविजार्ड ने अपने ब्रांड जॉय ई–बाइक और जॉय ई–रिक के तहत तैयार कस्टमाइज्ड ई–ट्राइक (ड्राइवर प्लस 10 सीट) फिलीपींस भेजा है। वार्डविजार्ड को बेलुआ इंटरनेशनल से 1.29 बिलियन डॉलर का ऑर्डर मिला था। इस कस्टमाइज्ड ई–ट्राइक को फिलीपींस सरकार के सार्वजनिक परिवहन आधुनिकीकरण कार्यक्रम को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य पुराने और प्रदूषणकारी वाहनों को हटाकर उन्हें पर्यावरण–अनुकूल इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलना है। फिलीपींस में सार्वजनिक परिवहन सुधार के लिए यह ई–ट्राइक फिलहाल परीक्षण के लिए भेजा गया है। फरवरी 2025 में, वार्डविजार्ड अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों की खेप भी जांच के लिए भेजेगी, ताकि स्थानीय परिवहन जरूरतों को समझा जा सके। कंपनी का लक्ष्य पर्यावरण के अनुकूल वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की साख को ऊंचा करना है। फिलीपींस में इस पहल से न केवल देश के सार्वजनिक परिवहन में सुधार होगा, बल्कि यह इलेक्ट्रिक वाहनों के पर्यावरणीय लाभ को बढ़ावा देने में भी सहायक साबित होगा।

एनटीपीसी ग्रीन का आईपीओ खुला, ग्रे मार्केट में इश्यू का फीका स्वागत

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन का 10 हजार करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। हालांकि ग्रे मार्केट में इस शेयर को लेकर ज्यादा उत्साह नजर नहीं आ रहा है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ के अपर प्राइस बैंड पर 0.70 रुपये का प्रीमियम मिल रहा है।

एनटीपीसी ग्रीन का 10 हजार करोड़ रुपये का ये आईपीओ इस साल लॉन्च होने वाला तीसरा सबसे बड़ा इश्यू है। इसके पहले हुंडई मोटर में भारतीय स्टॉक मार्केट के इतिहास का सबसे बड़ा 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च किया था, जबकि ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी 11,300 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू लेकर आई थी। एनटीपीसी ग्रीन के आईपीओ में 22 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत 102 से 108 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 138 शेयर का है।

इस आईपीओ का 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व है, जबकि 15 प्रतिशत नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए और 10 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व किया गया है। 22 नवंबर को क्लोजिंग होने के बाद 25 नवंबर को शेयरों का एलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 92,59,25,926 नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें 200 करोड़ रुपये के शेयर कंपनी के कर्मचारियों के लिए रिजर्व किए गए हैं, जबकि 1,000 करोड़ रुपये के शेयर एनटीपीसी के मौजूदा शेयर होल्डर्स के लिए रिजर्व है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसों में से 7,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एनटीपीसी ग्रीन की सब्सिडियरी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी के कर्ज भार को काम करने में किया जाएगा, जबकि शेष 2,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में किया जाएगा।

आईपीओ की लॉन्चिंग के बाद ग्रे मार्केट ने इस इश्यू का फीका स्वागत किया है। सिर्फ 70 पैसे के प्रीमियम पर इस शेयर का कारोबार हो रहा है। लेकिन मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि निवेशकों के लिए इस कंपनी में निवेश करना लॉन्ग टर्म में फायदेमंद हो सकता है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2025 में इसकी ऑपरेशनल कैपेसिटी मौजूदा 3.3 गीगावॉट से बढ़ कर 6 गीगावॉट हो जाएगी। इसी तरह 2026 में ऑपरेशनल कैपेसिटी 11 गीगावॉट और 2027 में 19 गीगावॉट के स्तर पर पहुंच जाएगी। ग्रीन एनर्जी को पूरी दुनिया में बढ़ावा दिया जा रहा है। खासकर, केंद्र की मौजूदा सरकार ग्रीन एनर्जी को हर तरह का सपोर्ट दे रही है। इसलिए आने वाले दिनों में कंपनी का भविष्य बेहतर नजर आ रहा है। इसीलिए निवेदक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट प्लानिंग के तहत एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ में निवेश करने की योजना बना सकते हैं। हालांकि किसी भी निवेशक को अपनी निवेश योजना को अंतिम रूप देने के पहले अपने निवेश सलाहकार से जरूर विचार–विमर्श करना चाहिए।

पुणित गोयनका ने ज़ी-एंटरटेनमेंट के एमडी पद से दिया इस्तीफा, कंपनी ने बनाया सीईओ

नई दिल्ली

पुणित गोयनका ने ज़ी–एंटरटेनमेंट के एमडी पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाया है। कंपनी ने 18 नवंबर को कारोबार की समाप्ति पर उनके इस्तीफे को मंजूर की लिया और उसी दिन सीईओ के तौर पर उनकी नियुक्ति भी कर दी। ज़ी–एंटरटेनमेंट ने जानकारी दी कि कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मुकुंद गलगली को डिप्टी सीईओ बनाया है। यह बदलाव कंपनी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया है। पुणित गोयनका की नई भूमिका उनकी मौजूदा फुल–टाइम नौकरी जैसी ही होगी। हालांकि, उनके वेतन का 40 फीसदी वेरिएबल हिस्सा उन्हें केवल कुछ विशेष लक्ष्यों को पूरा करने पर ही दिया जाएगा। इस वेतन की अधिकतम सीमा बोर्ड द्वारा तय की गई है। ज़ी–एंटरटेनमेंट के मुताबिक इस कदम के जरिए गोयनका कंपनी के प्रदर्शन और मुनाफे को बेहतर करने पर पूरी तरह ध्यान देंगे।

यह फैसला बोर्ड और नामांकन व वेतन समिति की 15 नवंबर 2024 की बैठक में लिया गया। बोर्ड ने कहा कि पुणित गोयनका कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम हैं। ज़ी–एंटरटेनमेंट ने कहा कि कंपनी मजबूत स्थिति में है और अपने भविष्य के लिए ठोस नींव तैयार करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। यह तय करने के लिए कि हमारे लक्ष्य पूरे हों, संचालन स्तर पर ज्यादा समय और ऊर्जा की जरुरत है। पुनीत गोयनका, जो मीडिया दिग्गज सुभाष चंद्रा के बेटे हैं, उन्होंने कंपनी के संचालन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सीईओ के रूप में फिर से नियुक्ति की मांग की है। ज़ी–एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड बोर्ड ने 18 अक्टूबर को गोयनका को 5 साल के लिए फिर से सीईओ बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

यह कार्यकाल 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2029 तक रहेगा। हालांकि, यह नियुक्ति कंपनी के शेयरहोल्डर्स की 28 नवंबर को होने वाली एनुअल जनरल बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। पिछले हफ्ते बोर्ड ने पुनीत गोयनका के प्रदर्शन के लिए नए और ऊंचे लक्ष्यों को तय किया। विगत दिवस बैठक में बोर्ड ने अगले चार तिमाहियों के लिए समेकित राजस्व और कमाई का लक्ष्य तय किए।

रियलमी जीटी 7 प्रो की डिस्प्ले तकनीक मिल का पत्थर साबित

नई दिल्ली

चाइनीज कंपनी रियलमी ने डिस्प्ले इनोवेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और अब उसने जीटी 7 प्रो स्मार्टफोन के साथ एक नई दिशा में कदम बढ़ाया है। रियलमी जीटी 7 प्रो की डिस्प्ले तकनीक स्मार्टफोन के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रही है। यह तकनीक पहले केवल सैमसंग के महंगे फोल्डेबल स्मार्टफोन में ही देखने को मिलती थी, लेकिन अब रियलमी ने इसे प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में पेश किया है, जो विजुअल तकनीक के नए मानक स्थापित कर रहा है। इसके डिस्प्ले में रियलवर्ल्ड इकोट्ट तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो पोलराइज़र के बिना पहला स्मार्टफोन डिस्प्ले है। इस स्मार्टफोन की डिस्प्ले में 120 प्रतिशत डीसीआई–पी3 कलर गैमट का समर्थन किया गया है, जो प्रोफेशनल मॉनिटर्स से भी बेहतर है। इसके कारण हर फोटो, वीडियो और एनीमेशन को अत्यधिक जीवंत और रंगीन बनाया जाता है। 6500 निट्स की पीक ब्राइटनेस के कारण स्क्रीन धूप में भी पूरी तरह से स्पष्ट दिखाई देती है, जिससे बाहर फोटोग्राफी और नेविगेशन करना बहुत आसान हो जाता है। गेमिंग के शौकिनों के लिए इस डिस्प्ले में 120 एफपीएस की क्षमता और वन पॉइंट फाइव रिज़ॉल्यूशन उपलब्ध है, जिससे फास्ट–पेस्ड गेम्स जैसे पबजी और रेसिंग गेम्स का अनुभव बेहद स्मूथ और इमर्सिव होता है। रियलमी जीटी 7 प्रो की डिस्प्ले तकनीक का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी प्रदर्शन और दक्षता का अनोखा संतुलन है। रियलमी और सैमसंग द्वारा विकसित इको ओलेड प्लस तकनीक ने बिजली की खपत को 52 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जबकि दृश्य गुणवत्ता को बरकरार रखा है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना महंगा हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में 620 रुपये से लेकर 680 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76,470 रुपये से लेकर 76,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,110 रुपये से लेकर 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 89,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 76,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 76,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 76,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,370 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आम तौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,893.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह नैस्डेक ने 102.77 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,782.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 109.75 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 43,499.35 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले–जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। एफटीएसई इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,109.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,278.23 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,189.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में खरीदारी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है।

एशियाई बाजारों में अकेला शंघाई कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,311.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 216 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,741 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 262.05 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,482.90 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है।

फिलहाल ये सूचकांक 302.90 अंक यानी 1.33 प्रतिशत उछल कर 22,849.44 अंक के स्तर पर नजर आ रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,764.94 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,633.01 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,477.03 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.11 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,469.06 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,206.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 26 नवम्बर से होगी शुरू, सभी राज्यों से चार हजार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

लखनऊ

राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता (अंडर-17) बालक, बालिकाओं की एथलेटिक्स प्रतियोगिता 26 नवम्बर से शुरु हो रही है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज में यह प्रतियोगिता 30 नवम्बर तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेशों तथा कतिपय संगठन व सोसाइटीज सहित कुल 45 इकाईयों की टीमों के लगभग 3960 विद्यार्थी, कोच एवं टीम मैनेजर द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। मंगलवार को अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा, वित्त और गृह दीपक कुमार ने इसका शुभकंर, प्रतीक चिह्न और ट्राफी का अनावरण किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक यूनिट में 42 बालक एवं 42 बालिका के साथ ही दो-दो कोच एवं मैनेजर होंगे। इसके साथ ही एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नामित 20 विशेषज्ञ तथा राज्य के एथलेटिक्स के क्षेत्र में सेवायें प्रदान करने वाले अन्य विशेषज्ञ भी सम्मिलित होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इसका आयुवर्ग अंडर-14 रखा गया था, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर 17 कर दिया गया है। अन्डर-17 आयुवर्ग की स्कूली गेम्स की एथलेटिक्स प्रतियोगिता लखनऊ में पहली बार आयोजित हो रही है। प्रतियोगिता में बालक और बालिका वर्ग में कुल 19 इवेंट्स आयोजित कराये जायेंगे। इसमें 100 मी0, , 200 मी0, ,400 मी0, 800 मी0, 1500 मी0 एवं 3000 मी0 दौड़, 110 मी0, 400 मी0 बाधा दौड़, लम्बी कूद, ऊँची कूद, त्रिकूद, पोलवाल्ट, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, जेवलिन थ्रो, गोलाफेंक, 5000 मी0 पैदल चाल और 4×100 मी0रिले दौड़, 4×400 मी0रिले दौड़ शामिल है। दीपक कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के सुचारू एवं निर्विघ्न संचालन हेतु वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है, जो कि 24 घंटे सक्रिय रहेगा। देश के विभिन्न भागों से आने आने वाली प्रतिभागी टीमों के सुरक्षित आगमन एवं प्रस्थान के साथ-साथ अन्य समस्त आवश्यक सुविधाएं ससमय सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से प्रत्येक यूनिट के लिए पृथक-पृथक कुल 45 लाइजनिंग अफसरों को नियुक्त किया गया है, जो कि उनके आगमन से लेकर सुरक्षित गंतव्य स्थल पहुँचने तक सक्रिय रहेंगे ।

न्यूज ब्रीफ

टेनिस : पोलैंड को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर बिली जीन किंग कप के फाइनल में पहुंचा इटली

मालागा। इतालवी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सारा इरानी और जैस्मीन पाओलिनी ने कैटरज़ीना कावा और इगा स्विएटेक को हराकर सोमवार को पोलैंड पर 2-1 से रोमांचक जीत हासिल की और इटली को लगातार दूसरे वर्ष बिली जीन किंग कप के फाइनल में पहुंचा दिया। लूसिया ब्रोंज़ेटी ने मैग्डा लिनेट पर 6-4, 7-6(3) एकल जीत के साथ इटालियंस को आगे कर दिया लेकिन इसके बाद एकल में स्विएटेक ने पाओलिनी को 2 घंटे और 36 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-4, 6-4 से हराया और पोलैंड को बराबरी दिला दी। इसके बाद निर्णायक युगल मुकाबले में इतालवी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सारा इरानी और जैस्मीन पाओलिनी का सामना कैटरज़ीना कावा और इगा स्विएटेक से हुआ। यह मुकाबला मंगलवार सुबह तक चला। पोलिश जोड़ी ने पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन इरानी और पाओलिनी के खिलाफ शानदार मुकाबला किया। इटालियंस ने पहले सेट में तीन सेट पॉइंट बचाए, और दूसरे सेट में 5-1 की कमी से उबरते हुए, अंततः 7-5, 7-5 से जीत हासिल की और सातवीं बार और लगातार दूसरे साल फाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल इटली को फाइनल में कनाडा से हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद पाओलिनी ने कहा, यह कठिन था, तीव्रता बहुत अधिक थी, मैं बहुत थक गई थी लेकिन मुझे अपना सबकुछ अपनी टीम और अपने देश को देना था। सिंगल्स में इगा से हारने के बाद मैं दुखी थी, लेकिन मैं लॉकर रूम में गई और सकारात्मक रहने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि मेरे साथियों को मेरी ज़रूरत है। बुधवार के फ़ाइनल में इटली का सामना ब्रिटेन या स्लोवाकिया से होगा, जो मंगलवार को दूसरे सेमीफ़ाइनल में एख दूसरे से भिड़ेंगे।

टोटेनहम के मिडफील्डर बेंटानकुर पर नस्लीय टिप्पणी के लिए लगा सात मैचों का प्रतिबंध

लंदन। टोटेनहम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर को इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने अपने दक्षिण कोरियाई साथी सोन ह्युंग-मिन के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करने के लिए सात मैचों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है और 100,000 पाउंड (126,000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया है। खिलाड़ी पर आरोप है कि उसने अपने देश में एक टीवी कार्यक्रम में नस्लीय टिप्पणी की थी, लेकिन चूंकि यह घटना उसके अपने समय में हुई थी, न कि उसकी राष्ट्रीय टीम के साथ, इसलिए उसे दंडित करना एफए के अधिकार क्षेत्र में आता है। निलंबन का मतलब है कि 27 वर्षीय उरुग्वे का अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मैनचेस्टर सिटी, लिवरपूल और चेल्सी के खिलाफ़ महत्वपूर्ण मैच नहीं खेल पाएगा। यह निलंबन केवल घरेलू मैचों पर लागू होगा, जिसका मतलब है कि वह यूरोपा लीग में अपने क्लब के लिए खेल सकेगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए लसिथ एम्बुलडेनिया की श्रीलंकाई टीम में वापसी

कोलंबो। इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम की घोषणा हो गई है। टीम में दो साल से अधिक समय के बाद लसिथ एम्बुलडेनिया की वापसी हुई है। मंगलवार को घोषित 17 सदस्यीय टीम का नेतृत्व धनंजय डी सिल्वा कर रहे हैं और इसमें नौ बल्लेबाज, तीन विशेषज्ञ स्पिनर और पांच तेज गेंदबाज शामिल हैं। श्रीलंका के लिए एम्बुलडेनिया के 17 टेस्ट कैप में से आखिरी जून 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था। वह प्रभात जयसूर्या के साथ टीम में दूसरे बाएं हाथ के स्पिनर हैं, जिन्होंने सितंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 2-0 की सीरीज जीत में 18 विकेट लिए थे। सलामी बल्लेबाज ओशादा फर्नांडो भी लगभग एक साल बाद टीम में लौटे हैं, जबकि ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस को टीम में नहीं चुना गया है। पहला टेस्ट मैच 27 नवंबर को डरबन में और दूसरा टेस्ट मैच 5 दिसंबर से पोर्ट एलिजाबेथ में खेला जाएगा। दक्षिण अफ़्रीका के टेस्ट दौरे के लिए श्रीलंका की टीम इस प्रकार है- धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), पथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने, दिनेश चंडीमल, एंजेलो मैथ्यूज, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, ओशादा फर्नांडो, सदीरा समरविक्रमा, प्रभात जयसूर्या, निशान पेइरिस, लसिथ एम्बुलडेनिया, मिलन रथनायके, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, कसुन राजिथा।

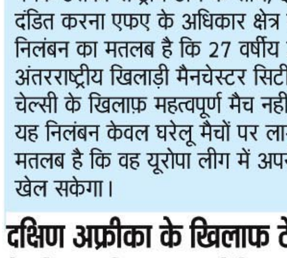

फेडरर ने डेविस कप के बाद संन्यास लेने वाले नडाल को लिखा भावुक पोस्ट, कहा-आपने पूरे टेनिस जगत को गौरवान्वित किया

नई दिल्ली

रोजर फेडरर ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर इस सप्ताह स्पेन के मलागा में डेविस कप फाइनल में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने वाले 22 बार के मेजर चैंपियन राफेल नडाल के लिए एक भावुक पोस्ट लिखा।

43 वर्षीय फेडरर, जिन्होंने दो साल पहले 20 मेजर खिताब जीतकर खेल से संन्यास ले लिया था, ने लिखा राफा, मुझे पता है कि आप अपने शानदार करियर के आखिरी पड़ाव पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जब यह खत्म हो जाएगा तो हम बात करेंगे। अभी के लिए, मैं सिर्फ आपके परिवार और टीम को बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने आपकी सफलता में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। और मैं चाहता हूं कि आप यह जान लें कि आपका पुराना दोस्त हमेशा आपका उत्साहवर्धन करता है, और आप जो भी करेंगे उसके लिए उतनी ही जोर से आगे भी करेगा।

फेडरर और नडाल के बीच खेल के इतिहास में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता थी। वे पहली बार 2004 में मियामी में एक दूसरे से भिड़े थे, जहां स्पेनिश खिलाड़ी ने राउंड ऑफ 32 में तत्कालीन विश्व नंबर 1 फेडरर को 6-3, 6-3 से हराया था।

फेडरर ने अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए लिखा, 2004 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद, मैंने पहली बार नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। मुझे लगा कि मैं दुनिया में सबसे ऊपर हूं। और मैं तब तक शीर्ष पर था, जब तक कि दो महीने बाद, जब आप मियामी में अपनी लाल स्लीवलेस शर्ट में कोर्ट पर उतरे, अपनी बाइसेप्स दिखाते हुए, आपने मुझे आसानी से हरा दिया। आपके बारे में जो भी चर्चा मैं सुन रहा था, वह सिर्फ प्रचार नहीं था। हम दोनों अपनी यात्रा की शुरुआत में थे और यह एक ऐसा सफर था जिसे हमने साथ मिलकर पूरा किया। बीस साल बाद, राफा, मुझे कहना होगा: आपका प्रदर्शन कितना शानदार रहा है। जिसमें 14 फ्रेंच ओपन शामिल हैं। ऐतिहासिक! आपने स्पेन को गौरवान्वित किया... आपने पूरे टेनिस जगत को गौरवान्वित किया।

फेडरर ने क्ले पर नडाल के कौशल की सराहना की और उन्हें बेहतर खिलाड़ी बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, आपने मुझे ऐसे तरीके से चुनौती दी, जैसा कोई और नहीं दे सकता। क्ले पर, आपने मुझे अपनी जमीन पर टिके रहने के लिए जितना मैंने कभी सोचा था, उससे कहीं अधिक मेहनत करने पर मजबूर किया। आपने मुझे अपने खेल की फिर से कल्पना करने पर मजबूर किया, यहां तक कि मैंने अपने रैकेट के सिर का आकार भी बदल दिया, ताकि किसी बढ़त की उम्मीद कर सकूं।

बता दें कि फेडल प्रतिद्वंद्विता में कुछ सबसे शानदार टेनिस मैच हुए, जिसमें विंबलडन 2008 का फाइनल भी शामिल है, जिसमें नडाल ने फेडरर को 6-4, 6-4, 6-7(5), 6-7(8), 9-7 से हराया। कुल मिलाकर, वे 40 बार एक-दूसरे से भिड़े, जिसमें नडाल ने 24-16 से हेड-टू-हेड रिकॉर्ड बनाया।

फेडरर ने लिखा, मैं उन यादों के बारे में सोचता रहता हूँ जो हमने साझा की हैं। साथ में खेल को बढ़ावा देना। आधा घास और आधा मिट्टी पर मैच खेलना। दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में 50,000 से ज़्यादा प्रशंसकों के सामने खेलकर सर्वकालिक उपस्थिति रिकॉर्ड तोड़ना। हमेशा एक-दूसरे का मज़ाक उड़ाना। कोर्ट पर एक-दूसरे को थका देना और फिर, कभी-कभी, ट्रॉफी समारोह के दौरान लगभग सचमुच एक-दूसरे को थामना पड़ता था।

फेडरर के आखिरी पेशेवर टेनिस मैच में, नडाल कोर्ट के उसी तरफ थे, जब दोनों ने 2022 में लंदन में लेवर कप में युगल मैच खेलने के लिए जोड़ी बनाई थी। मैच के बाद, बेंच पर बैठे फेडरर और नडाल की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसमें वे हाथ पकड़कर रो रहे थे।

फेडरर ने लिखा, मेरा अंतिम मैच। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता था कि आप मेरे साथ थे- मेरे प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं बल्कि मेरे युगल साथी के रूप में। उस रात आपके साथ कोर्ट साझा करना और उन आंसुओं को साझा करना, हमेशा मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया वनडे के लिए भारतीय महिला टीम घोषित, शैफाली बाहर, हरलीन की वापसी

नई दिल्ली

भारतीय महिला चयन समिति ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए में 16 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है, जिसका नेतृत्व हरमनप्रीत कौर करेंगी। सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को बाहर कर दिया गया है, जबकि हरलीन देओल लगभग एक साल के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगी।

शैफाली ने इस साल छह मैचों में सिर्फ 108 रन बनाए हैं, जिसमें सबसे ज्यादा 33 रन हैं। चार अन्य खिलाड़ी - उमा छेत्री, दयालन हेमलता, श्रेयंका पाटिल और सयाली सतघरे - को भी पिछले महीने अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की 2-1 घरेलू श्रृंखला जीत में खेलने वाली टीम से बाहर कर दिया गया है। देओल ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में भारत के लिए खेला था। उन्हें इस सीज़न में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। पहले दो एकदिवसीय मैच क्रमशः 5 दिसंबर और 8 दिसंबर को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में आयोजित किए जाएंगे, श्रृंखला का आखिरी मैच 11 दिसंबर को वाका ग्राउंड, पर्थ में खेला जाएगा। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है।

तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रिया पुनिया, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, तितास साधु , अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकोर।

आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शर्मिन अख्तर, जहांआरा आलम की बांग्लादेश टीम में वापसी

ढाका

आयरलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिनी सीरीज के लिए शर्मिन अख्तर और जहांआरा आलम की बांग्लादेश टीम में वापसी हुई है। इस बीच, ताज नेहर और संजीदा अख्तर को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है। शर्मिन इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप से चूक गई थीं और उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जुलाई 2023 में भारत के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान खेला था। 28 वर्षीय शर्मिन ने 2011 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से 35 वनडे और 16 टी20 मैच खेले हैं। जहाँआरा की बात करें तो वह बांग्लादेश की उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने कम से कम 50 महिला वनडे मैच खेले हैं। जहाँआरा ने 52 मैचों में 30.39 की औसत से 48 विकेट लिए हैं। मध्यक्रम की बल्लेबाज ताज ने अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया, जबकि बाएं हाथ की स्पिनर संजीदा ने 18 टी20 मैच खेले हैं। इस साल अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद यह बांग्लादेश की पहली वनडे सीरीज है। उस टीम से चयनकर्ताओं ने फरजाना अख्तर, सुमैया अख्तर, दिशा बिस्वास और निशिता अख्तर को बाहर रखा है। बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ छह में से तीन वनडे जीते हैं। उन्होंने

दोनों पक्षों के बीच पिछली द्विपक्षीय सीरीज 2016 में जीती थी। इस बार वे 27 और 30 नवंबर और 2 दिसंबर को ढाका में तीन वनडे खेलेंगे। वे 5, 7 और 9 दिसंबर को सिलहट में तीन टी20 मैच भी खेलेंगे। अक्टूबर में यूएई में आयोजित महिला टी20 विश्व कप के बाद यह बांग्लादेश की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज है। बांग्लादेश वनडे टीम- निगार सुल्ताना (कप्तान), नाहिदा अख्तर, मुर्शिदा खातून, फरगाना हक, शर्मिन अख्तर, शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, रितु मोनी, राबेया खान, फाहिमा खातून, मारुफा अख्तर, जहांआरा आलम, सुल्ताना खातून, ताज नेहर, संजीदा अख्तर।

यूएसपीएल सीज़न 3 : मोनांक पटेल संभालेंगे कैलिफ़ोर्निया गोल्डन ईगल्स की कमान

फ्लोरिडा

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में यूएसए की बागडोर संभालने वाले मोनांक पटेल अब यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) के सीजन 3 में कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स की कमान संभालते नजर आएंगे। वह पहली बार यूएसपीएल का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

बहुप्रतीक्षित यूएसपीएल सीजन 3 की शुरुआत 22 नवंबर को फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच रोमांचक शुरुआती मुकाबले के साथ होगी।

अपने पहले ही वर्ल्ड कप में यूएसए टीम को अलग पहचान दिलाने वाले मोनांक को पूरा भरोसा है कि कैलिफ़ोर्निया गोल्डन ईगल्स का सीज़न भी अच्छा रहेगा।

मोनांक ने एक बयान में कहा, मैं टीम कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स का

नेतृत्व करने के लिए बहुत रोमांचित हूं। मैं पहली बार इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनने जा रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि यह भी वर्ल्डकप की तरह यादगार रहेगा। मैं टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हूं। मुझे यकीन है कि हम एक बेहतरीन टीम बनकर उभरेंगे और सफलता हासिल करेंगे।

कैलिफ़ोर्निया गोल्डन ईगल्स अपना दूसरा मैच 23 नवंबर को अटलांटा ब्लैककैप्स के खिलाफ खेलेगा। लीग के प्रत्येक दिन ट्रिपल-हेडर मुकाबले होंगे, जिससे प्रशंसकों को हर दिन एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा। सेमीफाइनल मुकाबले 29 नवंबर को निर्धारित हैं, जबकि फाइनल मुकाबला 1 दिसंबर को खेला जाएगा।

टीम कैलिफ़ोर्निया गोल्डन ईगल्स-

नौमान अनवर, सैफ बदर, मोनांक पटेल, शैडली वान, चाड बोवेस, अदनीत झाम्ब, मुहम्मद इलियास, उन्मुक्त चंद, चैतन्य बिश्नोई, गौरव कुमार, जुनैद सिद्दीकी, उवल विन्नाकोटा, असद रफीक, बालादित्य कथूला, गुलाम मुदस्सर।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए तेम्बा बावुमा की दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी

जोहानसबर्ग

तेम्बा बावुमा कोहनी की चोट से उबर चुके हैं और उन्हें श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल किया गया है। दक्षिण अफ्रीका अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की कोशिश कर रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बावुमा ने 4 अक्टूबर के बाद से कोई मैच नहीं खेला है, जब अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान डाइव करते समय उन्हें चोट लग गई थी।

परिणामस्वरूप वे लायंस के शुरुआती दो

प्रथम श्रेणी मैचों में नहीं खेल पाए और गुरुवार से वांडरर्स में वेस्टर्न प्रोविंस के खिलाफ होने वाले तीसरे मैच में भी शामिल नहीं होंगे। शनिवार को वे डरबन जाएंगे, जहां पहला टेस्ट अगले बुधवार से शुरू होगा।

कागिसो रबाडा भी टीम में वापस आ गए हैं, जिन्हें शुक्रवार को समाप्त हुई भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए आराम दिया गया था, मार्को जेनसन और गेराल्ड कोएट्ज़ी, जो भारत सीरीज में कंडीशनिंग ब्रेक से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लौटे थे, की भी टीम में वापसी हुई है।

जेनसन और कोएट्ज़ी ने आखिरी बार जनवरी और दिसंबर में भारत के खिलाफ टेस्ट मैच खेले थे। वह दक्षिण अफ्रीका की घरेलू मैदान पर सबसे हालिया और डीन एल्गर की रिटायरमेंट से पहले की आखिरी सीरीज थी। उस सीरीज में खेलने वाले लुंगी एन्गिडी और नांद्रे बर्गर चोट के कारण बाहर हैं।

अगर दक्षिण अफ्रीका श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट जीत जाता है, और दिसंबर और जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेले जाने वाले दोनों टेस्ट मैचों में जीत दर्ज करता है तो वह जून में लॉर्ड्स में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेगा।

दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट किंग्समीड डरबन में 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक और दूसरा टेस्ट सेंट जॉर्ज पार्क, गेकेबरहा में 5 से 9 दिसंबर तक खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम इस प्रकार है: तेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंगहैम, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, कागिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन, काइल वेरिन।

ज्यादा शक्कर खाना हो सकता है हानिकारक

अधिक मात्रा में शक्कर का सेवन करने से त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। रिसर्च द्वारा यह बात सामने आई है कि शक्कर आपकी त्वचा के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं है,शक्कर त्वचा में मौजूद जल को सोख लेती है और उसे रूखा बना देती है। इससे त्वचा झूलने लगती है। अगर आप ढेरों शक्कर खाती हैं तो उसे बैलेंस करने के लिए ढेर सारा पानी पीना ना भूलें।

काला नमक देता है बड़े फायदे

रोज सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु करें। इससे आपका ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर,ऊर्जा में सुधार, मोटापा और अन्य तरह की बीमारियां ठीक होंगी। काले नमक में 80 खनिज और जीवन के लिए वे सभी आवश्यक प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और प्रोटीन को पचाने वाले इंजाइम को उत्तेजित करने में मदद करते हैं। इससे खाया गया भोजन आराम से पच जाता है।

आयुर्वेद से करें गठिया का उपचार

सामान्यतया गठिया रोग 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को होता है, लेकिन वर्तमान में इसकी चपेट में युवा ही नहीं बच्चे भी आ रहे हैं। गठिया का रोग यानी आर्थराइटिस से शरीर के जोड़ो में दर्द और सूजन आ जाती है। गठिया रोग अचानक नहीं होता बल्कि धीरे-धीरे फैलता है इसलिए गठिया का सही उपचार जरूरी है। जरूरी नहीं है कि आप गठिया के उपचार के लिए एलोपैथ की शरण में ही जाएं, इसके लिए आप आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयर्वेद के जरिए गठिया के सभी प्रकारों जैसे - रूमेटायड आर्थराइटिस, ऑस्टियो आर्थराइटिस, गाउट, जुवेनाइल आर्थराइटिस और ऐंकलूजिंग स्पोंडीलोसिस आदि का उपचार आसानी से कर सकते हैं। इस लेख में विस्तार से जानिए आयुर्वेद के जरिए गठिया का कैसे कर सकते हैं उपचार। आमतौर पर गठिया होने का प्रमुख कारण आनुवांशिक होता है, लेकिन कई बार किसी भयंकर बीमारी या संक्रमित रोग के कारण भी गठिया रोग हो जाता है। आर्थराइटिस को आयुर्वेद में आम-वात के नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार गठिया होने के कारकों में खराब पाचन, खानपान की गलत आदतें और निश्क्रिय जीवनशैली के साथ ही वात दोष को माना गया है।

आयुर्वेद से उपचार

आयुर्वेद में गठिया का पूरी तरह से इलाज किया जाता है न कि सिर्फ दर्द को खत्म करने की कोशिश की जाती है। यानी गठिया का स्थाई इलाज आयुर्वेद में ही संभव है। गठिया का इलाज लंबा होता है। इसीलिए आयुर्वेद में गठिया के इलाज को योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है इसलिए पीड़ित की जीवनशैली, रहन-सहन और खानपान आदि पर खास ध्यान दिया जाता है।

उपचार के साथ दिनचर्या

गठिया में सिर्फ आयुर्वेदिक औषधियां ही नहीं बल्कि अच्छी खुराक लेने की सलाह भी दी जाती है। दरअसल, आयुर्वेद के इलाज के दौरान, गठिया के मूल कारणों को खोजने और फिर उसका सही रूप में उपचार करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यदि किसी व्यक्ति में गठिया रोग वात बिगड़ने और दोषपूर्ण पाचन की वजह से हुआ है तो आयुर्वेद में उसके इलाज स्वरूप रोगी की असंतुलित शारीरिक ऊर्जाओं को शांत करने और पाचन क्षमता बेहतर करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

परहेज भी जरुरी

गठिया के उपचार में जितनी जरूरी इसकी चिकित्सा है, उससे कहीं अधिक जरूरी परहेज भी है। रोगी के लिए विशेष प्रकार के व्यायाम कराए जाते हैं और सप्ताह में एक से दो बार सोने के पहले 25 मिलीलीटर एरंड के तेल का दूध के साथ सेवन कराते हैं। इसके अलावा लक्ष्णों व रोग की गंभीरता के आधार पर उपचार किया जाता है। उपचार के दौरान रोगी को दर्द कम करने के लिए एंटी-रुमेटिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री दवाएं दी जाती हैं साथ ही भरपूर आराम करने की सलाह दी जाती है।

उपचार और खानपान

गठिया के मरीजों के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। अधिक तेल व मिर्च वाले भोजन से परहेज रखें और डाइट में प्रोटीन की अधिकता वाली चीजें न लें। भोजन में बथुआ, मेथी, सरसों का साग, पालक, हरी सब्जियां, मूंग, मसूर, परवल, तोरई, लौकी, अंगूर, अनार, पपीता, आदि का सेवन करें। इसके अलावा नियमित रूप से लहसुन व अदरक आदि का सेवन भी इसके उपचार में फायदेमंद है। अर्थराइटिस के इलाज के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बेहद आवश्यक है, साथ ही पाचन तंत्र का भी बेहतर होना जरूरी है। इसलिए नियमित व्यायाम के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखें।

क्या आप भी अपने बच्चे को बैठाते हैं वॉकर में?

वॉकर पर बैठे शिशु को इधर-उधर तेज गति से चलते हुए देखकर हर माता-पिता का मन प्रफुल्लित हो उठता है। वॉकर के बारे में ज्यादातर माता-पिता की यह धारणा है कि वॉकर के सहारे शिशु न केवल शीघ्र चलना सीख लेगा, बल्कि उसका शारीरिक विकास भी होगा। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो अलर्ट हो जाए, क्योंकि इस संबंध में जो शोध हुए है उसके अनुासर वॉकर शिशु के विकास को मन्द करता है। यह देखने में आया है कि शिशु के लिए वॉकर का प्रयोग माता-पिता कुछ सीमा तक अपनी सुविधा के लिए करते हैं। यह जानते हुए भी कि शिशु अभी ढंग से बैठना या घुटने के बल रेंगना या चलना नहीं सीखा है। आपको बता दें जिन शिशुओं की उम्र 2 वर्ष से कम है उनके वॉकर की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

शिशुओं के एक वृहद समूह के लिए वॉकर का प्रयोग करने व नहीं करने वाले सम्मिलित है, इसका अध्ययन उनके शारीरिक संचारण और मानसिक विकास को लेकर किया गया था।

अनुसंधान में यह उजागर हुआ कि 6 से 15 माह के 109 शिशुओं में से जिन 56 शिशुओं को वॉकर दिया गया था, वो शारीरिक संचारण और मानसिक विकास के मापदंडों जैसे बैठना, रेंगना, चलना शामिल है में बिना वॉकर के 53 शिशुओं से तुलना में काफी पीछे रहे। इस अध्ययन से यह तथ्य सामने आया कि जो शिशु ने वॉकर का प्रयोग नहीं किया था। वो औसतन पांच माह की उम्र में बैठना, आठ माह में घुटने के बल रेंगना और दस माह की उम्र में चलने लायक हो गया था।

क्या कहता है शोध

शोधकर्ताओं के अनुसार शिशु घर के परिवेश में चल फिर कर बहुत सी वस्तुओं की खोज कर काफी कुछ सीखता है। वह किसी चीज या वस्तु को गिराकर फैंक कर उसको प्राप्त करने के लिए हर तरह की शारीरिक क्रिया करता है, जो कि वॉकर पर बैठे शिशु के लिए संभव नहीं हो पाता है और ऐसी परिस्थिति में वह अपने स्तर पर अनुसंधान/खोज नहीं कर पाता, जिसके फलस्वरूप उसके ज्ञान और बुद्धि का विकास भी नहीं हो पाता है।

वॉकर के कुप्रभाव

चाइल्ड स्पेशलिस्टस की मानें तो वॉकर के उपयोग में बच्चे के चोट लगने की संभावना रहती है। सामान्य बच्चों की तुलना में वॉकर का उपयोग करने वाले बच्चे सिढियां चढ़ने व उतरने में दिक्कत करते है और गिरने की संभावना ज्यादा रहती है। वॉकर की वजह से हैड इंजरी व मौत तक हो सकती है। अन्य प्रकार की चोटें जैसे फ्रैक्चर, केमिकल्स व जहरीले तरल पदार्थों को पी लेना, पानी का पौंड में डूब जाना शामिल है, होने की संभावना रहती है। एक साल से कम उम्र के बच्चे जिनकी टांगों में वजन झेलने की क्षमता कम होती है, वॉकर में खड़े होने से और टांगों पर जोर पड़ने से गोल मुड़ (बो-लेग्स) जाती है।

मेकअप उतारने के लिए लगाएं बादाम तेल

कई लड़कियों को आंखों पर लगा हुआ काजर और मस्कारा उतारने में थोड़ा समय लगता है। दुनिया की बहुत सी लड़कियों ने आंखों के मेकअप को उतारने के लिए बादाम तेल का इस्तेमाल किया है, जिससे उनका मेकअप बिना महनत किए ही उतर जाता है। बादाम तेल में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता, जिससे त्वचा पर कोई बुरा असर पड़े। यह चेहरे पर कोमलता का एहसास छोड़ जाता है। इसे चेहरे या आंखों पर लगाने से यह त्वचा से आराम से छूट भी जाता है और बिल्कुल भी नहीं चिपचिपाता।

बादाम का तेल लगाने का तरीका

अपनी उंगलियों पर जरुरत भर का तेल ले कर पूरे चेहरे तथा आंखों पर लगाएं। फिर एक कॉटन बॉल ले कर उसमें गुलाब जल डाल कर चेहरे से एक्सट्रा ऑइल साफ करें।

थोड़ा सा और तेल ले कर आंखों से मस्कारा और आइलाइनर छुड़ा लें। एक बार मेकअप साफ कर लेने के बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धो लें।

चेहरे पर बादाम का तेल लगाने से ना केवल मेकअप साफ होता है, बल्कि चेहरे पर चमक भी आ जाती है। तो अब से बाजारू मेकअप रिमूवर ना खरीद कर बादाम तेल का ही प्रयोग करें।

जानें क्या होते हैं फ्रेकल्स

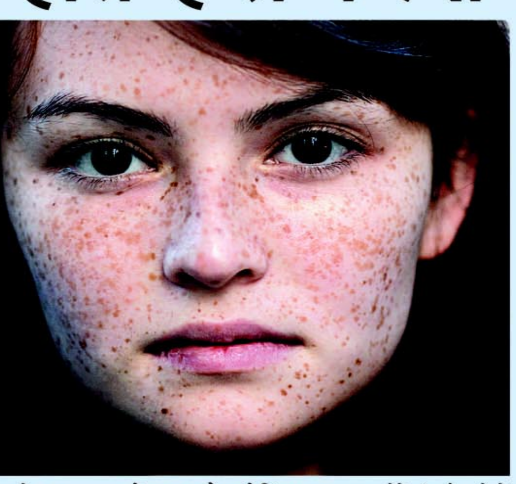

फ्रेकल्स त्वचा पर होने वाले एक प्रकार के दाग हैं। जो आकार में छोटे, चपटे तथा लाल या भूरे रंग धब्बे होते हैं। यह एक आम समस्या है। यह समस्या आमतौर पर लोगों में पाई जाती हैं और पूरी तरह नुकसानरहित होती हैं। हल्के रंग की त्वचा वाले लोगों में ये ज्यादा पाए जाते हैं क्योंकि उनमें त्वचा को सूर्य किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने वाला केमिकल मैलेनिन (त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न) कम मात्रा में होता है। त्वचा में मैलेनिन के असमान वितरण के कारण ही फ्रेकल्स उत्पन्न होते हैं। किसी एक जगह पर मैलेनिन का अत्यधिक बनना भी फ्रेकल्स बना देता है। फ्रेकल्स अधिक देर तक धूप में रहने का परिणाम हैं जो सूर्य की किरणों से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में आम पाए जाते हैं। फ्रेकल्स आमतौर से चेहरे, कंधों और बांहों पर पाए जाते हैं। इस लेख को पढ़ें और फ्रेकल्स के बारे में विस्तार से जानें।

फ्रेकल्स के लक्षण: फ्रेकल्स किसी एक धब्बे या गुच्छों के रूप में भी अनियमित विकसित होते हैं, गुच्छों में होने के कारण यह त्वचा पर बहुतायत में देखे जा सकता हैं।

आनुवंशिकी कारण: फ्रेकल्स आनुवांशिक कारणों से भी आपकी त्वचा पर हो सकते है। यानी आपके परिवार में किसी को फ्रेकल्स हों तो आपको भी होने के चांस बढ़ जाते हैं।

धूप भी कारण: धूप में ज्यादा रहने से त्वचा को अधिक मैलेनिन बनाना होता है ताकि सूर्य की हानिकारक किरणों से रक्षा की जा सके। किन्हीं हिस्सों पर मैलेनिन का इस तरह बनना या मैलेनिन का असमान वितरण फ्रेकल्स बना सकता है।

फ्रेकल्स के जोखिम कारण: गोरे रंग के लोगों में फ्रेकल्स होने की आशंका अधिक रहती है क्योंकि ऐसी त्वचा में मैलेनिन कम होता है और यह (धूप में)आसानी से झुलस सकती है।

फ्रेकल्स का उपचार

अधिकतर मामलों में फ्रेकल्स हानिरहित होते हैं और कॉस्मेटिक कारणों को छोड़ दें तो इनका उपचार आवश्यक नहीं होता। त्वचा टोन की रिसेम्बलिंग हेतु एक जैसी टोन लाने के लिए फ्रेकल्स को हल्का करने हेतु ब्लीचिंग क्रीम का उपयोग किया जा सकता है। हालांकि यह प्रभावित त्वचा को असमान बना सकती है और रैशेज की वजह भी बन सकती है। लेजर ट्रीटमेंट या इन्टेन्स पल्सड लाइट थेरेपी पिगमेंटेशन को खत्म कर सकती है लेकिन परिणाम भिन्न हो सकते हैं और अनेक सिटिंग की जरूरत हो सकती है। क्रायोथेरेपी या तरल नाईट्रोजन द्वारा फ्रीजिंग। केमिकल पील्स।

फ्रेकल्स की रोकथाम

चूंकि गोरी त्वचा वाले लोगों को आसानी से फ्रेकल्स हो जाते हैं और सूरज की धूप से त्वचा का निरंतर अत्यधिक क्षतिग्रस्त होना आपके लिए त्वचा कैंसर होने के चांस बढ़ा सकता है। इसलिए रोकथाम के उपाय अपनाए जाने की जरूरत होती है। फ्रेकल्स ऐसी त्वचा का लक्षण है जो आसानी से सनबर्न का शिकार हो सकती है जिससे आगे चलकर त्वचा कैंसर हो सकता है। कम से कम 30 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन इस्तेमाल करें और फिर उपयोग संबंधी लेबल निर्देशों का पालन करें। ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचें।

बारिश में सेहतमंद बनाता है अदरक

बारिश के दिनों में भीगने का मजा ही कुछ और है। बाद में सर्दी होने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है। इस दौरान चाय और भोजन में उपयोग किया जाने वाला अदरक आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके सूखे हुए स्वरूप को सोंठ कहा जाता है।

अदरक के सेवन से आपकी स्वास्थ्य संबंधी आधी से ज्यादा समस्याएं चुटकियों में दूर हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल हालांकि सालभर किया जाता है, लेकिन बरसात में अपनी डाइट चार्ट में इसको शामिल कर अदरक के कमाल के गुणों का लाभ आप उठा सकते हैं...

बरसात में सर्दी, जुकाम, कफ की समस्या होना आम बात है। इस दौरान गर्मागर्म अदरक का काढ़ा या चाय बेहद लाभ देती है। इसके अलावा अदरक का सेवन तनाव कम करने और थकान दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा गले में इंफेक्शन या दर्द होने पर अदरक और काले नमक का एक साथ सेवन जल्द राहत पहुंचाता है।

खूबसूरती निखारता है अदरक

अदरक स्वाद के साथ ही खूबसूरती भी निखारता है। इसके लेप से त्वचा के दाग मिटने के साथ ही झुर्रियां भी कम होती हैं। जोड़ों के दर्द में भी यह फायदेमंद है। बस आपको दर्द वाली जगह पर अदरक का गर्म लेप लगाना है, इससे काफी फायदा मिलता है। इसके अलावा अमीबिक पेचिश, गठिया, साइटिका जैसी बीमारियों का इलाज भी अदरक में छिपा हुआ है।

श्वास संबंधी रोग में फायदेमंद

आपको बता दें अदरक की गर्म तासीर होने के कारण सांस संबंधी तकलीफ होने पर काफी फायदा मिलता है। नहीं रहेगी अपच की समस्या अदरक पाचन क्रिया को बेहतर करता है। अगर आपको भूख नहीं लग रही है या फिर उदरशूल की समस्या है, तब अदरक आपकी समस्या से छुटकारा दिला सकता है। जी मचलाना या अपच जैसी समस्याओं में भी अदरक बेहद लाभदायक है।

महिलाओं की समस्याएं होगीं दूर

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और दर्द में भी अदरक के सेवन से निजात मिलती है। इसके अलावा गर्भाशय के कैंसर, डाइबिटीज और ह्दय रोगियों को भी अदरक का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

रेसिपी

ओटस् रवा इडली

सामग्री

1/2 कप ओट्स का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/2 कप ताजा दही, 2 टी-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हिंग, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 2 टेबल-स्पून मोटे कटे हुए काजू, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, नमक, स्वाद अनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, **चुपड़ने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** सांभर, नारियल की चटनी

विधि

ओट्स का आटा, सुजी, दही और ¾ कप पानी को एक गहरे बर्तन में मिलाइए और 30 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में धी गरम करें और उसमे सरसों डालिए। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे जीरा और हिंग डाले और मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड भुनिए। अब इस तड़के को बाकी बची सामग्री, सिवाय फ्रूट सॉल्ट के, ओट्स और सुजी के मिश्रण के साथ मिलाइए। स्टिम करने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट डाले और उपर से 2 टी-स्पून पानी डाले। बुलबुले आना शूरु हो, तब उसे धीरे से मिलाइए। इडली पात्र को तेल लगाइए और उसमे मिश्रण डालकर स्टिमर में 7 से 8 मिनट इडली पकने तक स्टिम कीजिए। थोड़ा सा ठंडा करें और पात्र से निकाल कर सांभर और नारियल की चटनी के साथ तुरंत परोसे।

पनीर पीटा पॉकिट्ज

सामग्री

पीटा ब्रेड: 3/4 कप संपूर्ण गेहूं का आटा, 3/4 स्पून दरदरा ताज़ा खमीर, 1/2 स्पून शक्कर, नमक, 1/2 स्पून तेल गूंधने के लिए, 2 स्पून तेल, 1 स्पून नींबू का रस, 12 मिलीमीटर (1/2) का टुकड़ा कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 स्पून कटा हरा धनिया, 1 स्पून बहुत बारीककटा लहसुन, **पनीर कोलस्लो:** 1/2 कप 12 मिमी. (1/2) के चकोर टुकडो में कटा पनीर, 1 कप कतरी हुई बंद गोभी, 1/2 कप कसी गाजर, 1/2 कप अंडारहित मेयोनीज, 1/2 टी-स्पून सरसों का पाउडर, 1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक तथा ताजी पिसी काली मिर्च , स्वाद अनुसार

विधि

पीटा ब्रेड के लिए: सारी सामग्री को एक बाउल में डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम और इलास्टिक जैसा गूंध लीजिए। थोड़ा तेल डालिए और वापस गूंधिए। मलमल के गीले कपड़े से 10 से 20 मिनट तक ढक कर रख दीजिए जब तक फूलकर दुगना नही हो जाता। आटे को हल्के हाथ से दबाइए ताकि सारी हवा बाहर निकल जाए। आटे को 4 बराबर भागो में बांटिए। आटे के प्रत्येक भाग को 100मिमी. (4) व्यास और 6 मिमी. (द) मोटी रोटी के रूप में बेलिए। पीटा ब्रैड को मध्यम आंच पर गरम तवे पर दरारे पड़ने और फूलने तक थोड़ा सा सेकिए पीटा ब्रैड को 2 भागो में काटिए और एक तरफ रख दीजिए। **पनीर कोलस्लो के लिए:** एक बाउल में पनीर और मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथें से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सामग्री डालकर हल्के हाथों से मिलाइए और फ्रिज में रख दीजिए। कोलस्लो को 4 बराबर भागो में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**